आर.एन.आई नं. 69777/98 / डाक पंजीयन-मालवा डिवीजन/328/2020-22

दैनिक हिन्दकुश

hindkush.in jagrayam.com

वर्ष - 27 | अंक - 233 | उज्जैन, रविवार 13 जुलाई 2025 | कुल पृष्ठ - 8, | कीमत -1 रुपया

मत्स्य पालन को मिलेगा उद्योग का दर्जा, अन्य उद्योगों की तरह मिलेगी सुविधाएँ-मुख्यमंत्री

मछली बीज उत्पादन के लिए आधुनिक हैचरी निर्माण से खत्म होगी बंगाल पर

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि भगवान श्रीराम के मित्र महाराज निषादराज ने सबसे पहले श्रीराम की प्रभुता को पहचाना था। मछुआ समुदाय अपने जीवन को खतरे में डालकर पानी में खेती करता है, यह साहस का कार्य है। मछली और मछुआरों का सदियों से संबंध रहा है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में प्रदेश में भी मछुआ कल्याण बोर्ड के माध्यम से कई योजनाएं संचालित हैं। प्रदेश सरकार युवाओं को रोजगार का लाभ दे रही है। मछली पालन भी एक उद्योग है, इसे भी अन्य उद्योगों की तरह सभी सुविधाएं मिलेंगी। मुख्यमंत्री डॉ.

यादव ने 22 करोड़ 65 लाख रुपए की लागत से 453 स्मार्ट फिश पार्लर का भूमि-पूजन और इंदिरा सागर बांध में लगभग 92 करोड़ लागत से 3360 केज परियोजना का वर्चुअल भूमि-पूजन भी किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादवने मछुआरा समुदाय को बेहतर जीवन के लिए प्रेरित किया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव शनिवार को उज्जैन स्थित कालिदास संस्कृत अकादमी परिसर में आयोजित राज्य स्तरीय निषादराज सम्मेलन एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मत्स्य पालन से संबंधित प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दीप प्रज्वलित कर एवं भगवान निषादराज की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर राज्य स्तरीय सम्मेलन का शुभारंभ किया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि अब मछली पालन सिर्फ पारम्परिक कार्य नहीं, एक आधुनिक उद्योग है। इसमें निवेश बढ़ेगा, उत्पादन बढ़ेगा और युवाओं को रोजगार मिलेगा। उन्होंने कहा कि भोपाल में 40 करोड़ की लागत से अत्याधुनिक एक्वा पार्क (मछलीघर) का निर्माण किया जा रहा है।

जस्टिस वर्मा को हटाने के लिए सरकार जुटा रही सांसदों के हस्ताक्षर, लोकसभा में पेश हो सकता है महाभियोग प्रस्ताव

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने जस्टिस यशवंत वर्मा को हटाने के लिए संसद में प्रस्ताव लाने के लिए सांसदों के हस्ताक्षर एकत्र करना शुरू कर दिया है। जस्टिस वर्मा आग लगने की घटना के बाद अपने आवास पर जले हुए नोटों की गड्डियां मिलने के बाद से विवादों में घिरे हुए हैं।

लोकसभा के कई सदस्यों के एकत्र किए गए हैं हस्ताक्षर- सूत्रों ने बताया कि महाभियोग प्रक्रिया के लिए लोकसभा के कई सदस्यों के हस्ताक्षर एकत्र कर लिए गए हैं, जो इस बात का संकेत है कि यह प्रस्ताव निचले सदन में पेश किया जा सकता है।

जस्टिस यशवंत वर्मा दिल्ली हाई कोर्ट में न्यायाधीश थे- इस वर्ष मार्च में दिल्ली स्थित जस्टिस वर्मा के आवास पर आग लगने की घटना के बाद बाहरी कक्ष में नकदी से भरी बोरियां मिली थीं। उस समय वह दिल्ली हाई कोर्ट में न्यायाधीश थे। बाद में उन्हें इलाहाबाद हाई कोर्ट वापस भेज दिया गया था।

जस्टिस वर्मा ने कुछ भी गलत करने से इनकार किया- सुप्रीम कोर्ट के तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना के आदेश पर आंतरिक जांच में उन्हें दोषी ठहराया गया था। जस्टिस वर्मा ने कुछ भी गलत करने से इनकार किया है।

गैर-हिन्दुओं को तुरंत हटाओ, तिरुमला तिरुपति देवस्थानम में नियुक्ति को लेकर भड़के केंद्रीय मंत्री

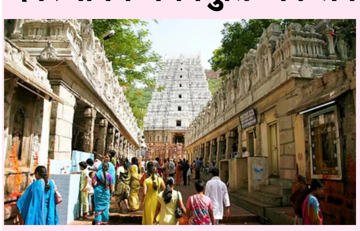

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री बंदी संजय कुमार ने तिरुमला तिरुपति देवस्थानम में गैर-हिन्दुओं की नियुक्ति पर सख्त आपत्ति जताई है। अपने जन्मदिन के मौके पर तिरुमला मंदिर में दर्शन करने के बाद मीडिया से बात करते हुए उन्होंने यह बयान दिया है।

केंद्रीय गृह राज्य मंत्री ने सवाल उठाया कि जो भगवान पर विश्वास नहीं रखते हैं, उन्हें मंदिर में नौकरी क्यों दी जा रही है।? उन्होंने ञ्रञ्रष्ट प्रशासन से तत्काल गैर-हिन्दुओं को हटाने की मांग की है।

संजय कुमार ने क्या दावा किया- बंदी संजय कुमार ने कहा, टीटीडी एक पवित्र हिन्दू धार्मिक संस्था है और यहां सिर्फ उन्हीं को काम पर रखना चाहिए जो हिन्दू धर्म में विश्वास रखते हैं। उन्होंने दावा किया कि तिरुमला में एक हजार से ज्यादा गैर-हिन्दू कर्मचारी कार्यरत हैं जो धर्म और परंपराओं का पालन नहीं करते हैं।

उन्होंने सवाल किया कि क्या किसी मस्जिद या चर्च में तिलक लगाने वाला हिन्दू नौकरी कर सकता है? उन्होंने कहा कि ऐसा अगर दूसरे धर्मस्थालों में नहीं हो सकता है तो फिर ञ्रञ्रष्ट में गैर-हिन्दू कर्मचारियों की नियुक्ति कैसे उचित है।

जी-20 होस्टिंग से लेकर बीस देशों में ऑपरेशन चलाने तक... बीते साल कैसे निखरी भारत की छवि?

नई दिल्ली (एजेंसी)। विदेश मंत्रालय ने 2024 की वार्षिक रिपोर्ट जारी की है, जिसमें विदेश मंत्रालय द्वारा लिए गए कई अहम कूटनीतिक उपलब्धियों का जिक्र किया गया है। विदेश मंत्रालय की इस रिपोर्ट के अनुसार, वैश्विक मंच पर भारत के कद और साख में इजाफा देखने को मिला है।

विदेश मंत्रालय ने अपनी रिपोर्ट में लिखा कि इस साल पूरी दुनिया को आर्थिक उतरा-चढ़ाव, जलवायु परिवर्तन समेत कई चुनौतियों का सामना करना पड़ा। भारत सभी परेशानियों में मजबूती से खड़ा रहा है।

कई सम्मेलनों में लिया हिस्सा

विदेश मंत्रालय की रिपोर्ट के अनुसार, भारत ने संयुक्त राष्ट्र समेत जी-20, जी-7, एससीओ, क्वाड और ब्रिक्स में सक्रिय भूमिका निभाई है। पिछली बार भारत ने जी-20 सम्मेलन की अध्यक्षता की थी। वहीं, इस बार भी Troika (भारत, ब्राजील और दक्षिण अफ्रीका) के अंतर्गत भारत और ब्राजील ने मिलकर काम किया। 18-19 नवंबर को ब्राजील के रियो डी जेनेरियो में हुई 19वें जी-20 शिखर सम्मलेन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हिस्सा लिया था। यह पहला जी-20 सम्मेलन था, जिसमें अफ्रीकन यूनियन ने भी हिस्सा लिया था।

वॉइस ऑफ ग्लोबल साउथ समिट को किया होस्ट

भारत ने वॉइस ऑफ ग्लोबल साउथ समिट का तीसरा संस्करण भी होस्ट किया था। ग्लोबल साउथ देशों

NSA डोभाल ने ऑपरेशन सिंदूर को लेकर किए बड़े खुलासे, तिलमिलाया पाकिस्तान

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑपरेशन सिंदूर पर एनएसए अजीत डोभाल के बयान से तिलमिलाए पाकिस्तान ने कहा कि दोनों देशों के बीच स्थायी शांति का रास्ता बातचीत और आपसी सम्मान में निहित है।

पाकिस्तान में घुसकर नौ आतंकी ठिकानों को ध्वस्त किए- चेन्नई में एक कार्यक्रम में एनएसए अजीत डोभाल ने शुक्रवार को कहा था कि भारत ने ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान में घुसकर नौ आतंकी ठिकानों को ध्वस्त कर दिया और विदेशी मीडिया को चुनौती दी कि वह किसी भी भारतीय संरचना को हुए नुकसान की एक भी तस्वीर दिखाए, यहां तक कि कांच का टुकड़ा भी तोड़ा गया हो।

डोभाल के बयान से बौखलाया पाकिस्तान- पाकिस्तान के विदेश कार्यालय के प्रवक्ता शफकत अली खान ने दावा किया कि भारतीय एनएसए की टिप्पणियां तोड़-मरोड़ कर और गलत बयानी से भरी हैं। वे न केवल जनता को गुमराह कर रहे हैं, बल्कि जानबूझकर गलत बयान दे रहे हैं, जो जिम्मेदार शासन के मानदंडों का उल्लंघन है।

संघर्ष का महिमामंडन ठीक नहीं- पाकिस्तान

उन्होंने कहा कि संघर्ष का महिमामंडन किसी के लिए भी फायदेमंद नहीं है। स्थायी शांति का मार्ग संवाद, आपसी सम्मान और अंतरराष्ट्रीय कानून के पालन में निहित है। उन्होंने यह भी कहा कि पाकिस्तान आगामी एससीओ विदेश मंत्रियों की बैठक में भाग लेगा, लेकिन भारतीय पक्ष के साथ हमारी कोई बैठक की योजना नहीं है।

निकाय चुनाव में 42 फीसदी आरक्षण लागू करेगी सरकार, कैबिनेट ने लगाई मुहर

नई दिल्ली (एजेंसी)। तेलंगाना सरकार ने स्थानीय निकाय चुनावों में पिछड़े वर्गों के लिए 42 प्रतिशत आरक्षण को मंजूरी दे दी है। कैबिनेट ने स्थानीय निकायों में आरक्षण संबंधी 2018 के कानून में संशोधन के लिए अध्यादेश लाने का भी निर्णय लिया है।

मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी की अध्यक्षता में 19वीं राज्य कैबिनेट बैठक गुरुवार, 10 जुलाई को डॉ. बीआर अंबेडकर तेलंगाना राज्य सचिवालय में आयोजित की गई। इस बैठक में यह फैसला लिया गया।

पाक को शामिल मत करना, खतरा है; ब्रिक्स देशों के AI गठबंधन से डिजिटल इंडिया फाउंडेशन की दो टूक

नई दिल्ली (एजेंसी)। डिजिटल इंडिया फाउंडेशन ने बहुपक्षीय आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस गठबंधन AIANET में पाकिस्तान के AI टेक्नोलॉजी सेंटर को शामिल किए जाने के प्रस्ताव का कड़ा विरोध किया है। फाउंडेशन ने चेतावनी दी है कि इससे गठबंधन की विश्वसनीयता, सुरक्षा और मूल सिद्धांतों को गंभीर नुकसान पहुंच सकता है।

AIANET ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के बाद 2024 के अंत में गठित हुआ था। डिजिटल इंडिया फाउंडेशन इस AI एलायंस नेटवर्क का संस्थापक सदस्य है। इसका उद्देश्य AI के नैतिक, पारदर्शी और शांतिपूर्ण विकास को बढ़ावा देना है। इस गठबंधन में ब्रिक्स देशों (ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका) के साथ-साथ अन्य लोकतांत्रिक सहयोगी देशों के AI रिसर्च संस्थान शामिल हैं, जो नागरिक AI रिसर्च में सहयोग, दोहरे उपयोग से जुड़े खतरों से सुरक्षा, और वैश्विक मानकों की स्थापना के लिए कार्य कर रहे हैं।

11 जुलाई को AIANET की लीडरशिप को लिखे एक पत्र में डिजिटल इंडिया फाउंडेशन ने कहा कि पाकिस्तान का AI इकोसिस्टम संस्थागत जवाबदेही से रहित है, वहां मजबूत कानूनी सुरक्षा उपायों की कमी है और यह मुख्यतः सैन्य कार्यक्रमों के अधीन संचालित होता है जिनमें नागरिक नियंत्रण जीरो है।

DIF के सह-संस्थापक और प्रमुख डॉ. अरविंद गुप्ता ने कहा, "AITeC की सदस्यता को पाकिस्तान की ओर से हमारे रिसर्च और तकनीक तक पहुंच बनाने के प्रयास के रूप में देखा जाना चाहिए, जिसका उद्देश्य AI का सैन्यीकरण करना है। हमें सुनिश्चित करना चाहिए कि ऐसा न हो।

फाउंडेशन ने AITeC की कई लैब्स को चिन्हित किया है- विशेष रूप से वे जो ऑटोनॉमस सिस्टम्स, कंप्यूटर विजन और एज कंप्यूटिंग पर केंद्रित हैं जो दोहरे उपयोग के लिए संवेदनशील हैं और साइबर अभियानों, सीमा पार निगरानी या आतंकवादी गतिविधियों में उपयोग किए जा सकते हैं।

DIF ने 2025 के अमेरिकी कंट्री रिपोर्ट्स ऑन टेररिज्म का हवाला देते हुए कहा कि पाकिस्तान स्थित आतंकी समूह जैसे लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मोहम्मद AI टूल्स का दुरुपयोग कर सकते हैं। साथ ही यह भी उल्लेख किया गया कि पाकिस्तान अभी भी FATF (फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स) की ग्रे लिस्ट में है, क्योंकि वह आतंकी वित्तपोषण और मनी लॉन्ड्रिंग पर प्रभावी नियंत्रण करने में विफल रहा है।

FBI चीफ काश पटेल दे सकते हैं इस्तीफा, ट्रंप प्रशासन तक पहुंचा एपस्टीन फाइल विवाद का मामला; रिपोर्ट में कई खुलासे

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका में कुख्यात जेफरी एपस्टीन के मामले की जांच लगातार आगे बढ़ रही है। इस बीच कहा जा रहा है कि इस मामले की आंच ट्रंप प्रशासन तक पहुंचनी शुरू हो गई है। हाल में एक खबर आई थी कि एफबीआई के डिप्टी डायरेक्टर डैन बोंगिनो इस्तीफा दे सकते हैं। हालांकि, इसको लेकर अभी कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हो सकी है।

इन सब के बीच एक एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि एफबीआई निदेशक काश पटेल अपने पद से इस्तीफा देने पर विचार कर सकते हैं। माना जा रहा है कि का पटेल ऐसा कथित तौर पर उप निदेशक डैन बोंगिनो के साथ एकजुटता दिखाते हुए कर सकते हैं। एफबीआई के डिप्टी डायरेक्टर डैन बोंगिनो का अटॉर्नी जनरल पाम बोंडी के साथ मतभेद चल रहा है।

जानिए क्या है पूरा मामला- न्यूयॉर्क पोस्ट की एक रिपोर्ट के अनुसार, असहमति न्याय विभाग (डीओजे) द्वारा जेफरी एपस्टीन की मौत की जांच और उनकी कथित ग्राहक सूची के बारे में विवादास्पद चर्चा में निहित है।

दरअसल, कथित तौर इसी हफ्ते की शुरुआत में बोंगिनो और बॉन्डी के बीच में किसी बात को लेकर मतभेद देखने को मिला। इसके बाद दोनों के बीच का तनाव काफी आगे बढ़ गया। बता दें कि यह टकराव अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन द्वारा एपस्टीन मामले से निपटने के तरीके को लेकर था। ये प्रकरण एक रिव्यू से जुड़ा हुआ है। हालांकि, अधिकारियों का कहना है कि ये रिव्यू अस्तित्व में ही नहीं है। ठीक इसी विवाद के बाद बोंगिनो के बारे में कहा जाने लगा कि वह अपने पद से इस्तीफा दे सकते हैं।

अधिकारियों के बीच बिगड़ गए हैं संबंध- वहीं, एक सूत्र ने द न्यू यॉर्क पोस्ट से बात करते हुए कहा कि मुझे नहीं लगता कि अगर पाम रुकी रहीं तो डैन वापस आएंगे। सूत्र ने आगे बताया कि दोनों अधिकारियों के बीच संबंध इतने खराब हो चुके हैं कि उन्हें सुधारा नहीं जा सकता। हालांकि दोनों ने सार्वजनिक रूप से कहा कि एपस्टीन फ़ाइल में कोई भी विस्फोटक खुलासा नहीं हुआ है।

कनाडा तुम्हारा खेल का मैदान नहीं कपिल शर्मा को अब खालिस्तानी आतंकी पन्नू ने दी धमकी; कहा- कैफे हिन्दुत्व फैलाने की साजिश

नई दिल्ली (एजेंसी)। कॉमेडियन कपिल शर्मा के कनाडा स्थित कैफे पर फायरिंग के मामले में कनाडा पुलिस जांच कर रही है। शुरुआती जांच में खालिस्तानी समर्थक के शामिल होने की आशंका जताई गई है। इस बीच खालिस्तानी संगठन सिख फॉर जस्टिस के संस्थापक गुरपतवंत सिंह पन्नू ने धमकी भरा वीडियो जारी किया है।

पन्नू ने वीडियो मैसेज जारी कर कहा, कनाडा तुम्हारा खेल का मैदान नहीं है। अपनी खून की कमाई वापस हिन्दुस्तान ले जाओ।

उसने कपिल शर्मा पर हिन्दुत्व विचारधारा फैलाने का आरोप लगाया।

पन्नू ने क्या कहा- पन्नू ने कहा कि कनाडा इस तरह की सोच को अपने देश में बढ़ने नहीं देगा। उसने यह भी पूछा कि क्या Kap's Cafe कॉमेडी का अड्डा है या हिन्दुत्व फैलाने की साजिश का हिस्सा?

बता दें, कपिल शर्मा ने 4 जुलाई को ब्रिटिश कोलंबिया के सरे शहर में अपना कैफे खोला था। 10 जुलाई की रात अज्ञात लोगों ने इस कैफे पर फायरिंग की। इस हमले की जिम्मेदारी हरजीत सिंह लाडी और तूफान सिंह ने ली है, जो प्रतिबंधित आतंकी संगठन बब्बर खालसा इंटरनेशनल से जुड़े हैं। BKI को कनाडा सरकार ने भी आतंकी संगठन माना है और हरजीत सिंह लाडी भारत की नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी की मोस्ट वांटेड लिस्ट में भी शामिल है।

पन्नी पर भारत सरकार की सख्त नजर- गुरपतवंत सिंह पन्नू को भारत सरकार ने 2019 में व्यक्तिगत आतंकवादी घोषित कर दिया था। उसका संगठन स्व्रछ्ध भारत में प्रतिबंधित है और nlawful Activities (Prevention) Act के तहत बैन किया गया है।

यूक्रेन ने रूस की राजधानी पर किया हमला, मॉस्को में विमानन संयंत्र और मिसाइल उत्पादन सुविधा पर हुए विस्फोट

नई दिल्ली (एजेंसी)। यूक्रेनी सेना ने शुक्रवार को मॉस्को को निशाना बनाया। कीव ने कहा कि उसने ड्रोन से एक रूसी विमानन संयंत्र और तुला क्षेत्र में एक मिसाइल उत्पादन सुविधा पर हमला किया है। सेना ने कहा कि रात भर हुए हमले के कारण विमानन संयंत्र में विस्फोट और आग लग गई।

यूक्रेनी ड्रोन हमले में दो लोगों की मौत हो गई- गुरुवार और शुक्रवार को किए गए यूक्रेनी ड्रोन हमले में दो लोगों की मौत हो गई। इस बीच, रूसी वायु रक्षा प्रणाली की ओर से 155 यूक्रेनी ड्रोन को मार गिराया गया। रूसी विमानन प्राधिकरण रोसावियात्सिया ने कहा कि मॉस्को में चार में से तीन हवाई अड्डों डोमोडेडोवो, वनुकोवो और जुकोवस्की ने सतर्कता बरतते हुए अस्थायी रूप से परिचालन निलंबित कर दिया था, जिसे बाद में शुरू कर दिया गया।

रूसी ड्रोन हमले में खार्कीव में एक प्रसूति अस्पताल क्षतिग्रस्त

वहीं, रूसी ड्रोन हमले में खार्कीव में नौ लोग घायल हो गए और एक प्रसूति अस्पताल क्षतिग्रस्त हो गया। खार्कीव के मेयर इहोर तेरेखोव ने टेलीग्राम पर लिखा कि नवजात शिशुओं वाली माताओं को अलग चिकित्सा केंद्र में ले जाया जा रहा है।

टेक्सस में बाढ़ का जायजा लेने पहुंचे अमेरिका राष्ट्रपति ट्रंप और मेलानिया, अब तक 120 लोगों की मौत

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उनकी पत्नी मेलानिया बाढ़ प्रभावित टेक्सस प्रांत का जायजा लेने पहुंच चुके हैं। वे पीड़ित परिवारों और स्थानीय अधिकारियों से भी मुलाकात करेंगे।

बाढ़ में 120 से अधिक लोगों की जान गई- इस प्रांत में चार जुलाई को आई विनाशकारी बाढ़ में 120 से अधिक लोगों की जान गई और 160 से ज्यादा लोग अब भी लापता हैं। बाढ़ से केर काउंटी सबसे ज्यादा प्रभावित है।

ट्रंप बाढ़ को लेकर दिया बयान - ट्रंप ने गुरुवार को एनबीसी न्यूज को फोन पर दिए एक इंटरव्यू में टेक्सस बाढ़ को लेकर प्रशासन की प्रतिक्रिया का बचाव किया और कहा, हम शुरू से ही वहां मौजूद हैं।

छत पर रहकर बचाई जान, बाढ़ की भयावहता के बनाए वीडियो

टेक्सास में चार जुलाई को एक शक्तिशाली तूफान की वजह से आए फ्लैश फ्लड के कारण ग्वाडालूप नदी लगभग 45 मिनट में 26 फीट तक उफना गई थी। अचानक बाढ़ आ जाने से नदी के समीप रहने वाले जेन टावलर नामक व्यक्ति का परिवार भी मुश्किल में फंस गया था।

ईरान रच रहा है ट्रंप को निशाना बनाने की साजिश, तेहरान के धार्मिक नेता शिराजी ने जारी किया फतवा

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की हत्या की साजिश की ओर ईरान के शीर्ष अधिकारी रहे व्यक्ति ने इशारा किया है। एक समय ईरान के सर्वोच्च नेता अली खामेनेई के वरिष्ठ सलाहकार रहे मुहम्मद जवाद लारीजानी ने संकेत दिया है कि अमेरिकी राष्ट्रपति पर उस समय ड्रोन हमला हो सकता है जब वह फ्लोरिडा स्थित अपने रिजार्ट मार-अ-लागो में सनबाथ का आनंद ले रहे होंगे। उस समय उनका पेट आकाश की ओर होगा और उसी समय ईरान का छोटा सा ड्रोन उनकी नाभि को निशाना बना सकता है।

साजिश की जानकारी ईरान पर अमेरिकी हमले के करीब दो हफ्ते बाद आई- लारीजानी ने यह बात एक ईरानी टीवी चैनल को दिए साक्षात्कार में कही है। इस साजिश की जानकारी ईरान पर अमेरिकी हमले के करीब दो हफ्ते बाद आई है। इस हमले में अमेरिका ने ईरान के फोर्डो, नातांज और इस्फहान परमाणु संयंत्रों को निशाना बनाया था। इस ईरानी साजिश की चर्चा सामने आने पर ट्रंप ने कहा कि उन्हें पता है कि यह केवल धमकी नहीं है, ऐसा करने की कोशिश हो सकती है।

ट्रंप और नेतन्याहू के जीवन के लिए खतरा पैदा हो गया है- हाल ही में ईरान के सबसे बड़े शिया विद्वान अयातुल्ला मकरेम शिराजी ने अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप और इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू को खुदा का दुश्मन घोषित करने वाला फतवा जारी किया है। इस फतवे के बाद ट्रंप और नेतन्याहू के जीवन के लिए खतरा पैदा हो गया है।

इससे पहले ईरानी नेता खामेनेई की हत्या के षडयंत्र को लेकर भी चर्चा चल चुकी है। नेतन्याहू ने जहां खामेनेई के मारे जाने से कोई बड़ी प्रतिक्रिया न होने की बात कही थी, वहीं ट्रंप ने कहा था कि उन्होंने ईरानी नेता को खौफनाक मौत से बचाया था।

अफ्रीका में हैजा और एमपॉक्स ने मचाई तबाही, 6 महीने में 4,275 लोगों की मौत; WHO ने बताया इसके पीछे का कारण

नई दिल्ली (एजेंसी)। अफ्रीका में हैजा और एमपॉक्स के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। पूरे अफ्रीकी महाद्वीप के कई देशों में इस साल हैजा और एमपॉक्स के मामलों में इजाफा देखने को मिला है। अफ्रीका सेंटर्स फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन ने इसका खुलासा किया है।

Africa CDC के सदस्य याप बौम ने मीडिया ब्रीफिंग के दौरान बताया कि 2025 में अब तक पूरे अफ्रीका में हैजा और एमपॉक्स से लगभग 4,275 मौतें हो चुकी हैं।

हैजा से 3,697 लोगों की मौत- अफ्रीकन यूनियन स्पेशलाइज्ड हेल्थकेयर एजेंसी के आंकड़ों के अनुसार, अफ्रीका के 21 देशों में हैजा के 176,136 मामले देखने को मिले, जिनमें से 3,697 मरीजों की मौत हो गई। अफ्रीका में हैजा फैलने के पीछे एक बड़ा कारण साफ पानी की कमी बताई जा रही है।

एमपॉक्स से 578 लोगों की मौत- Africa CDC के अनुसार, 2025 की शुरुआत से अफ्रीका के 23 देशों में एमपॉक्स के 79,024 केस मिले हैं, जिनमें से 578 लोगों की मौत हो चुकी है। बता दें कि पिछले साल अगस्त में Africa CDC ने एमपॉक्स को पब्लिक हेल्थ इमरजेंसी घोषित किया था।

कैसे फैलता है हैजा- विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, हैजा एक डायरियल इंफेक्शन है, जो कोलेरा नामक बैक्टीरिया से पनपती है। यह बैक्टीरिया अमूमन गंदे पानी और दूषित खाने में पाया जाता है। यह पूरी दुनिया के लिए खतरा है। हैजा जैसी बीमारियां सामाजिक और आर्थिक विकास के अभाव को दर्शाती हैं।

अंत नजदीक है, अगले 5 सालों में पानी की एक बूंद के लिए भी तरसेगा काबुल, चौंका रही ये रिपोर्ट

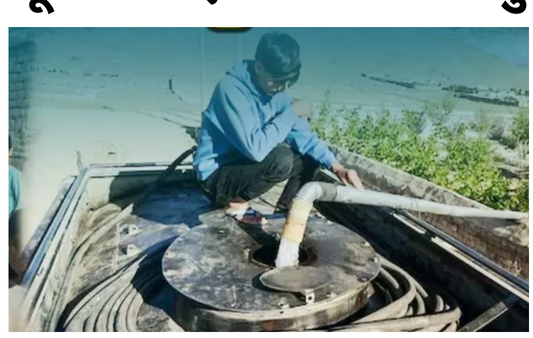

नई दिल्ली (एजेंसी)। दुनिया में जलवायु परिवर्तन की वजह से पानी की उपलब्धता और भी कम होने की संभावना है। कुछ विशेषज्ञों का तो ये भी कहना है कि पानी की कमी की वजह से भविष्य में युद्ध हो सकता है। इन सब के बीच एक रिपोर्ट सामने आई है, जिसमें अफगानिस्तान की राजधानी काबुल में पानी की कमी को लेकर गहरी चिंता व्यक्त की गई है।

ए मर्सी कॉर्प्स की रिपोर्ट के मुताबिक, काबुल अगले पांच सालों में पानी की कमी से जूझने वाला पहला आधुनिक शहर हो सकता है। यानी कि 2030 में काबुल पूरी तरह से सूख जाएगा और वहां के लोग पानी की एक बूंद के लिए भी तरसेंगे। जलवायु परिवर्तन और दशकों से चल रहे संघर्ष ने काबुल की जल समस्या को और भी गहरा कर दिया है। विशेषज्ञों ने का मानना है कि अगर इस समस्या का समाधान जल्द नहीं किया गया तो लाखों लोग विस्थापित हो सकते हैं।

काबुल में कितनी गहरी है पानी की समस्या?

रिपोर्ट के मुताबिक, जलवायु परिवर्तन और पानी का बहुत ज्यादा दोहन करने की वजह से काबुल में ग्राउंडवाटर लेवल में भारी गिरावट आई है। पिछले एक दशक में काबुल का जलभृत स्तर (भूजल को इकट्ठा करने वाली चट्टानों या मिट्टी की एक परत) 30 मीटर तक गिर गया है।

ये कैसे लीक हुई? अहमदाबाद प्लेन क्रैश में आई रिपोर्ट पर पायलट एसोसिएशन ने जताई आपत्ति; उठाए ये सवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। पिछले महीने एअर इंडिया का प्लेन अहमदाबाद में क्रैश हो गया था। इसकी प्रारंभिक जांच रिपोर्ट सामने आई है, जिस पर एअरलाइन पायलट एसोसिएशन (एएलपीए) ने गंभीर चिंता जताई है। शनिवार (12 जुलाई, 2025) को एएलपीए के अध्यक्ष सैम थॉमस ने एक बयान में जांच की आलोचना की और दावा किया कि रिपोर्ट में पायलटों को दोषी माना गया है।

थॉमस ने आगे कहा कि विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो ने पायलटों को अंधेरे में रखते हुए प्रारंभिक रिपोर्ट मीडिया के साथ शेयर की थी। उन्होंने कहा, हम एक बार फिर इन जांचों में बरती गई गोपनीयता से हैरान हैं। एएलपीए ने 10 जुलाई, 2025 के वॉल स्ट्रीट जर्नल के एक आर्टिकल का भी हवाला दिया, जिसमें दावा किया गया कि इंजन फ्यूल कंट्रोल स्विच के अनजाने में हिलने से ये दुर्घटना हुई।

एसोसिएशन ने सवाल उठाया कि यह संवेदनशील जानकारी प्रेस तक कैसे पहुंची। एसोसिएशन ने कहा, हमें आश्चर्य है कि इतना महत्वपूर्ण दस्तावेज बिना किसी जिम्मेदार व्यक्ति के हस्ताक्षर के मीडिया को दे दिया गया।

शुभांशु शुक्ला ने अंतरिक्ष में किए 7 एक्सपेरिमेंट, 14 दिन के मिशन के बाद फिर बदला धरती पर वापसी का समय

नई दिल्ली (एजेंसी)। Axiom-04 मिशन के तहत अंतरराष्ट्रीय स्पेस स्टेशन गए भारतीय अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला जल्द ही धरती पर वापसी कर सकते हैं। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन ने उनके लौटने की जानकारी दी है।

ISRO के अनुसार, शुभांशु 14 जुलाई को अंतरिक्ष से वापसी करेंगे और वो 15 जुलाई को पृथ्वी पर पहुंच जाएंगे। शुभांशु के साथ ढ्रूस्स में गए बाकी 3 अंतरिक्ष यात्री भी स्पेसएक्स के ड्रैगन स्पेसक्राफ्ट से वापस आएंगे।

कैलिफोर्निया में होगी वापसी- ISRO ने सोशल मीडिया पर शुभांशु की वापसी की जानकारी देते हुए बताया कि, ISS से ड्रैगन स्पेसक्राफ्ट की अनडॉकिंग के बाद सभी अंतरिक्ष यात्री अमेरिका के कैलिफोर्निया के पास मौजूद तट पर 15 जुलाई 2025 को दोपहर 3 बजे (भारतीय समयानुसार) पहुंचेंगे।

शुभांशु ने रचा इतिहास- बता दें कि शुभांशु शुक्ला 14 दिन के मिशन पर ISS के लिए रवाना हुए थे। वो ISS में जाने वाले पहले भारतीय बन गए हैं। वहीं, भारतीय अंतरिक्ष यात्री विंग कमांडर राकेश शर्मा के बाद वो अंतरिक्ष में जाने वाले दूसरे भारतीय बन गए हैं।

देश की न्यायिक व्यस्था को ठीक करने की जरूरत... CJI बीआर गवई ने क्यों कहा ऐसा?

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश बी.आर गवई ने शनिवार को भारत के न्यायिक सिस्टम में मौजूद चुनौतियों पर चर्चा की। उन्होंने कहा, लीगल सिस्टम में कई चुनौतियां हैं, जिन्हें सही करने की बहुत ज्यादा आवश्यकता है।

CJI गवई हैदराबाद की नालसर यूनिवर्सिटी ऑफ लॉ में एक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने न्यायिक प्रक्रिया की खामियों पर बात की।

CJI ने क्या कहा- CJI गवई ने कहा, हमारा देश और न्यायिक सिस्टम कुछ चुनौतियों का सामना कर रहा है। कई बार अदालत में ट्रायल दशकों तक चलता है। हमें ऐसे केस भी मिलते हैं जिनमें सालों जेल में बिताने के बाद शख्स निर्दोष साबित हो जाता है। हमारे देश के बेस्ट टैलेंट इस समस्या से निपटने में मदद कर सकते हैं।

कई लोग रहे मौजूद- CJI गवई ने अभ्यार्थियों से गुजारिश की कि वो अपने माता-पिता के पैसों की बजाए स्कॉलरशिप पर विदेश जाएं। इस खास मौके पर तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी, सुप्रीम कोर्ट के जज पीएस नरसिम्हा, तेलंगाना हाईकोर्ट के एक्टिंग चीफ जस्टिस सुजॉय पॉल भी इस कार्यक्रम में मौजूद रहे।

छत्तीसगढ़ के सुकमा में 23 खूंखार नक्सलियों ने एक साथ किया सरेंडर, 1.18 करोड़ का था इनाम

छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले में शनिवार (12 जुलाई, 2025) को एक साथ 23 कट्टर नक्सलियों ने सरेंडर किया है। इनके सिर पर 1.18 करोड़ रुपये इनाम रखा गया था। सरेंडर करने वाले नक्सलियों में तीन दंपति भी शामिल हैं। इस बात की जानकारी एक पुलिस अधिकारी ने दी।

अधिकारी ने बताया कि आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों में 11 सीनियर कैडर शामिल हैं, जिनमें से ज्यादातर पीपुल्स लिबरेशन गुरिल्ला आर्मी (पीएलजीए) बटालियन नंबर 1 में सक्रिय हैं। इसे माओवादियों का सबसे मजबूत सैन्य संगठन माना जाता है।

सुकमा के पुलिस अधीक्षक किरण चव्हाण ने बताया कि नक्सलियों ने वरिष्ठ पुलिस और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के अधिकारियों के सामने आत्मसमर्पण कर दिया। उन्होंने कहा कि वे खोखली माओवादी विचारधारा, निर्दोष आदिवासियों पर नक्सलियों की ओर से किए गए अत्याचारों और प्रतिबंधित संगठन के भीतर बढ़ते आंतरिक मतभेदों से निराश हैं।

कौन-कौन से नक्सलियों ने किया सरेंडर- अधिकारी ने कहा कि लोकेश उर्फ पोडियाम भीमा (35), रमेश उर्फ कलमु केसा (23), कवासी मासा (35), मड़कम हूंगा (23), नुप्पो गंगी (28), पुनेम देवे (30), पारस्की पांडे (22), मदवी जोगा (20), नुप्पो लच्छू (25), पोडियाम सुखराम (24) और दूधी भीमा पर आठ-आठ लाख रुपये का इनाम था।

इसके अलावा, उन्होंने बताया कि चार अन्य नक्सलियों पर 5-5 लाख रुपये, एक नक्सली पर 3 लाख रुपये और सात नक्सलियों पर 1-1 लाख रुपये का इनाम था।

जानें, क्यों नक्सलवाद छोड़ रहे नक्सली- चव्हाण ने कहा, लोकेश एक संभागीय समिति का सदस्य था और आठ अन्य माओवादियों की पीएलजीए बटालियन नंबर 1 के सदस्य थे।

जब मुंबई बना था संस्कृति और ग्लैमर का संगम, काशी की चाट से लेकर ग्लोबल मेहमानों की दिखी थी झलक

नई दिल्ली (एजेंसी)। आज से ठीक एक साल पहले मुंबई ने एक ऐसा ऐतिहासिक और सांस्कृतिक आयोजन देखा, जिसने देश ही नहीं दुनिया भर में चर्चा बटोरी।

12 जुलाई 2024 को बिजनेसमैन अनंत अंबानी और राधिका मर्चेंट का विवाह समारोह केवल एक पारिवारिक मिलन नहीं था, बल्कि यह एक ऐसी सांस्कृतिक पेशकश थी जिसमें भारतीय परंपराओं की गहराई और मॉडर्न युग की चमक साथ-साथ देखने को मिली। मुंबई के जियो वर्ल्ड कन्वेंशन सेंटर में आयोजित इस समारोह में भारत और विदेश की जानी-मानी हस्तियों की उपस्थिति ने इसे अंतरराष्ट्रीय स्तर का आयोजन बना दिया।

शामिल हुए बड़े-बड़े स्टार्स- बॉलीवुड सुपरस्टार्स शाहरुख खान, अमिताभ बच्चन, सलमान खान और प्रियंका चोपड़ा जैसे चेहरों के साथ-साथ विदेशी हस्तियों में किम और ख्लोए कार्दशियन, टोनी ब्लेयर, जॉन केरी और बोरिस जॉनसन जैसी हस्तियों की मौजूदगी ने इस विवाह को ग्लोबल इवेंट बना दिया।

बनारस की चाट ने लोगों को किया आकर्षित- इस विवाह में भारत की विविधता और पारंपरिक खानपान को भी बखूबी दर्शाया गया। खास आकर्षण था वाराणसी के काशी चाट भंडार की चाट, जिसे खुद नीता अंबानी ने बनारस जाकर चखा और विवाह समारोह के लिए चुना। टिक्की चाट, टमाटर चाट, पालक चाट और कुल्फी फालूदा जैसे व्यंजन मेहमानों को भारतीय स्वाद से जोड़ने का माध्यम बने।

आज जब इस शादी की पहली सालगिरह मनाई जा रही है यह याद दिलाता है कि कैसे एक निजी विवाह समारोह भी भारत की सांस्कृतिक शक्ति और वैश्विक छवि का दर्पण बन सकता है।

पालतू कुत्ता आपको भिजवा सकता है जेल! इस राज्य में खूंखार नस्लों को लेकर आएगा नया कानून; जान लें ये जरूरी बातें

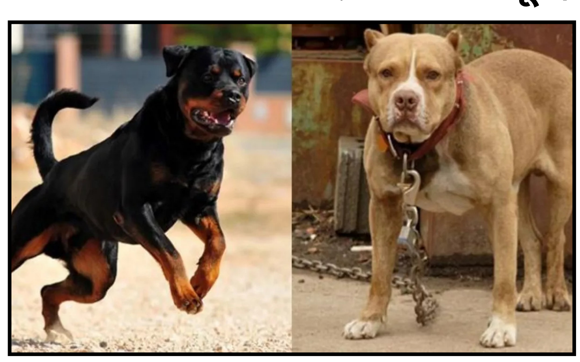

नई दिल्ली (एजेंसी)। आए दिन ऐसे केस सुनने को मिल जाते हैं, जिसमें किसी व्यक्ति पर पालतू या आवारा कुत्ते ने हमला किया या फिर किसी की कुत्ते के काटने की वजह से जान चली गई हो। इसी को ध्यान में रखते हुए गोवा सरकार ने नया कानून लाने की योजना बनाई है।

गोवा कैबिनेट ने एक विधेयक को मंजूरी दी है, जिसमें पिटबुल और रॉटवीलर समेत कई खूंखार कुत्तों की नस्लों की खरीद, बिक्री के साथ ही उसके प्रजनन पर भी प्रतिबंध लगाने के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई है।

कब विधानसभा में पेश होगा विधेयक- विधेयक को मंजूरी मिलने के बाद इसे 21 जुलाई से 8 अगस्त तक चलने वाले मानसून सत्र के दौरान इसे विधानसभा में पेश किया जाएगा। बता दें, फरवरी में राज्य में कुत्तों का आतंक बढ़ गया था जिसके बाद लोगों की मांग को देखते हुए सरकार ने इस विधेयक को मंजूरी दी है।

कुछ समय पहले आक्रामक कुत्तों की नस्लों से जुड़ी घटनाओं के बाद राज्य के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने घोषणा की थी कि कैबिनेट ने प्रदेश में रॉटविलर और पिटबुल कुत्तों की नस्लों पर प्रतिबंध लगाने को मंजूरी दे दी है।

मुख्यमंत्री ने कहा था कि गोवा सरकार पशु प्रजनन और घरेलू विनियमन एवं क्षतिपूर्ति अध्यादेश 2024 में एक संशोधन लाएगी, जिसमें राज्य भर में इन दो नस्लों के कुत्तों की बिक्री, खरीद और प्रजनन पर प्रतिबंध शामिल होगा।

कानून नहीं मानने वालों पर लगेगा जुर्माना- सरकार ने बताया है कि प्रस्तावित कानून के तहत अगर कोई भी कानून पारित होने के बाद खतरनाक जानवरों को रखता है या उनका प्रजनन करता है तो उसे तीन महीने तक की जेल, 50 हजार रुपये का जुर्मान और अनिवार्य सामुदयिक सेवा का सामना करना पड़ सकता है।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उज्जैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

मानव जीवन में सदैव उतार-चढाव आता है व्यक्ति को कभी इससे घबराना नहीं चाहिए।
पं. श्रीराम शर्मा आचार्य

हिन्दकुश

हिन्द : भारत कुश : पवित्र तृण

सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चिद् दुःख भागभवेत्
सभी सुखी हो, सभी निरोगी रहे, सभी का शुभ हो, कोई भी दुखी न हो।

विक्रम संवत 2079 कृष्ण तृतीया

संपादकीय

जैसे ही भारत का शहरी परिदृश्य नई ऊंचाइयों तक पहुंचता है - शाब्दिक रूप से....

वैश्विक स्तरपर पूरी दुनियाँ आतंकवाद के दंश से पीड़ित है, दुनियाँ के करीब- करीब हर देश में किसी ने किसी रूप या भेष में आतंकवाद सर उठाए खड़ा है जो उसे देश की उन्नति प्रगति व विकास में बाधा उत्पन्न कर रहा है,मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि हर देश की प्राथमिकता अपने देश में लॉ एंड ऑर्डर कायम रखकर अपने देश के नागरिकों का जीवन भय मुक्त बनानाहै,इसीलिए हर देश को आतंकवाद समाप्त करने में योगदान देना जरूरी है। भारत भी उन पीड़ित देशों में से एक है, लेकिन अब भारत ने आतंकवाद के खिलाफ एक बड़ा जनजागरण अभियान छेड़ दिया है, व घोषणा कर दी है कि आतंकवाद व उनके आकाओं में अब हम फर्क नहीं समझेंगे, वैश्विक स्तरपर आतंकवाद पूरी दुनियाँ के हर देश के लिए गंभीर समस्या बन चुका है,तो उसका पर्याय भ्रष्टाचार भी एक गंभीर समस्या है,क्योंकि यह दोनों एक ही सिक्के के दो पहलू हैं, आतंकवाद को वित्त पोषण भी एक भ्रष्टाचार का ही रूप है, जिसके सहयोग से आतंकवाद उत्पन्न होता है और फलता फूलता है,यानें अस्तित्व में आता है। वैसे तो दशकों से आतंकवाद व भ्रष्टाचार का चोली दामन का साथ है, क्योंकि वित्त पोषण यानें भ्रष्टाचार नहीं होगा तो, आतंकवाद पनपता ही नहीं। वैसे तो आतंकवादियों द्वारा बड़ी-बड़ी घटनाएं धमाकों को अंजाम दिया गया है, जिसमें हजारों लाखों लोगों की जान चली गई है, जिसके अनेक उदाहरण है जिसका अभी सटीक उदाहरण भारत में 22 अप्रैल 2025 को दुखदपूर्ण हादसा फिर देखने को मिला जिसमें 26 निर्दोष लोगों की जान चली गई।चूँकि एफएटीएफ ने %कम्प्रेहैन्सिव अपडेट ऑन टेररिस्ट फाइनेंसिंग रिस्क्स' रिपोर्ट जारी की इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल का माध्यम से चर्चा करेंगे टेरर फंडिंग में सोशल मीडिया,क्राउडफंडिंग प्लेटफॉर्म्स और ऑनलाइन मार्केटप्लेस के जरिए धन एकत्रित होने का एफएटीएफ रिपोर्ट में खुलासा है आतंकवाद को जड़ से मिटाने उसके वित्तपोषण को रोकने का स्थाई समाधान ढूंढना वर्तमान समय की मांग।

साथियों बात अगर हम अभी एक दिन पूर्व एफएटीएफ द्वारा जारी रिपोर्ट में नई आधुनिक डिजिटल पद्धतियों डिजिटल सोशल ऑनलाइन मार्केटिंग का प्रयोग आतंकी टेरर फंडिंग में होने की करें तो,यह रिपोर्ट दर्शाती है कि आतंकवादी संगठन अब भी अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय प्रणाली का दुरुपयोग करके अपने कृत्यों को अंजाम दे रहे हैं और हमलों की योजना बना रहे हैं जिसमें आतंकवाद के वित्त- पोषण को प्रभावित करने वाले मुख्य कारक-(1) अकेले सक्रिय आतंकवादी और न्यूनतम वित्त- पोषण की आवश्यकता वाले छोटे संगठन;(2)अफ्रीका और दक्षिण एशिया में असुरक्षित एवं छिद्रिल सीमाएं;(3) आतंकवाद को कुछ देशों द्वारा दिया जा रहा राज्य-स्तरीय समर्थन(4) मुक्त व्यापार क्षेत्र की कमजोर निगरानी व नियमों की कमी आदि। आतंकवाद के वित्त- पोषण के माध्यम पारंपरिक तरीके अपने जा रहे हैं,अल- शबाब और हमास जैसे समूहों द्वारा इस्तेमाल किए जाने वाले नकदआधारित लेन-देन,हवाला एवं अन्य अनौपचारिक तरीके, जिनका पता लगाना मुश्किल हो जाता है। वर्तमान आधुनिक युग में नई पद्धतियां अपना जा रही है,जैसे डिजिटल प्लेटफॉर्म- सोशल मीडिया, क्राउडफंडिंग प्लेटफॉर्म्स और ऑनलाइन मार्केटप्लेस के जरिए धन एकत्रित करना;बिटकॉइन जैसी वर्चुअल करेंसी का उपयोग करना; ऑनलाइन गेमिंग प्लेटफॉर्म्स के माध्यम से फंड ट्रांसफर करना आदि।आपराधिक गतिविधियां- जबरन वसूली, फिरौती के लिए अपहरण, मादक पदार्थों की तस्करी, और बोको हरम जैसे समूहों द्वारा प्राकृतिक संसाधनों (जैसे- सोना, लकड़ी आदि) का अवैध व्यापार।गैर - लाभकारी और कानूनी संस्थाओं का दुरुपयोग-फ्रंट कंपनियों और शेल कंपनियों के जरिए धन छिपाना;गैर-सरकारी संगठनों (एनजीओ) से फंड को डाइवर्ट कर आतंकी गतिविधियों में लगाना आदि।

केसरबाई केरकर

केसरबाई केरकर भारत की प्रसिद्ध शास्त्रीय गायिका थीं। वे जयपुर घराने के संस्थापक उस्ताद अल्लादिया ख़ाँ की शिष्या थीं। यह भी हैरान करने वाली बात है कि सिर्फ आठ साल की उम्र में ही केसरबाई केरकर ने संगीत की शिक्षा लेना शुरू कर दिया था और गाना शुरू कर दिया था। केसरबाई केरकर को कला क्षेत्र में भारत सरकार द्वारा सन 1969 में पद्म भूषण से सम्मानित किया गया था। एक और बहुत बड़ी उपलब्धि केसरबाई केरकर के नाम है। उनका गीत जिसका शीर्षक है जात कहाँ हो... को अंतरिक्ष यान वायजर 1 और वायजर 2 की मदद से अंतरिक्ष में भेजा गया है।

परिचय

पुर्तगालियों के अधीन गोवा के केरी गाँव में केसरबाई केरकर का जन्म 13 जुलाई, सन 1892 को हुआ। उन्हें आधुनिक शैली के संस्थापक कलाकारों में से एक माना जाता है। गोवा के छोटे से ताल्लुका पोंडा के गांव केरी से निकलकर केसरबाई केरकर अपने परिवार के साथ महाराष्ट्र के कोल्हापुर में आ गई थीं। यहां से ही उन्होंने उस्ताद करीम ख़ान की शार्गिदी में सुरों को पहचाना और उनकी बारीकियों पर अपनी पकड़ बनानी शुरू की। कुछ समय बाद वो वापस अपने गृहनगर में स्थित लामगांव वापस गईं और गायक रामाकृष्णाबुवा वाजे से संगीत की आगे की शिक्षा ली।

आगे की शिक्षा

ये वो दौर था, जब भारत के दूर-दराज से लोग बॉम्बे प्रजीडेंसी पहुंचते थे। उस वक्त बॉम्बे एक व्यापारिक केंद्र के रूप में खुद को स्थापित भी कर चुका था। यहां पर सुविधाएं भी थीं और अपनी कला को दूसरों तक पहुंचाने का ये एक अहम जरिया भी था। 16 वर्ष की उम्र में केसरबाई केरकर अपने अंकल और मां के साथ दोबारा बॉम्बे वापस आईं। उनके गायन शैली से प्रभावित होकर बॉम्बे के एक स्थानीय व्यापारी सेठ विठ्ठलदास द्वारकादास ने उनकी आगे पढ़ाई में मदद की। इस मदद से उन्होंने उस्ताद बरकतुल्लाह ख़ान से आगे की शिक्षा हासिल की। उन्होंने ख़ान से गायन की दूसरी बारीकियां भी सीखीं। बरकतुल्लाह पटियाला रियासत के बड़े संगीतकार थे और सितारवादक भी थे।

प्रोफेशनल शुरुआत

बरकतुल्लाह ख़ान ने लगातार दो वर्ष तक केसरबाई केरकर को संगीत के विभिन्न आयाम सिखाए। इसके बाद उनके गुरू मैसूर रियासत के सबसे बड़े सगीतज्ञ बन गए थे। केसरबाई ने भास्करबुवा बाखले से भी संगीत की शिक्षा हासिल की थी। केसरबाई ने करीब 11 वर्षों तक उस्ताद अल्लादिया ख़ान से भी संगीत की शिक्षा हासिल की। ये उस दौर के सबसे बड़े उस्तादों में से एक थे और जयपुर अतरौली घराने के संस्थापक भी थे। सन 1930 में केसरबाई केरकर ने प्रोफेशनल सिंगर के तौर पर शुरुआत की। वे बतौर शागिर्द 1946 तक उस्ताद अल्लादिया से जुड़ी रहीं। सन 1946 में उस्ताद का निधन हो गया।

कई आयाम स्थापित किए

केसरबाई केरकर ने अपनी आने वाली पीढ़ी के लिए कई आयाम स्थापित किए। आगे चलकर किशोरी अमोनकर, गंगुबाई हंगल और हीराबाई बरोडकर ने उनकी गायन शैली को आगे बढ़ाया। केसरबाई केरकर ने उस वक्त विश्व विख्यात एचएमवी के लिए रिकॉर्डिंग दी। उन्होंने खुद ख़्याल गायिका के तौर पर स्थापित

नासा के द साउंड्स ऑफ़ अर्थ में केसरबाई की आवाज़

भारतीय शास्त्रीय संगीत को एक अलग पहचान दिलाने के कारण ही साल 1977 में नासा की तरफ से भेजे गये वोयाजर 1 अंतरिक्ष यान में 12 इंच की सोने की परत चढ़ी तांबे की डिस्क है, जिसमें बीथोवेन से लेकर बाख से लेकर मोजार्ट तक के गाने हैं, जिसे विश्व सांस्कृतिक विविधता की झलक मिलती है। इन गानों को अमेरिकी खगोलशास्त्री कार्ल सागन के जरीए काफी गहनता के साथ चुना गया है। जिसे द साउंड्स ऑफ़ अर्थ एल्बम का नाम दिया गया है। जिसमें भारतीय आवाज़ के तौर पर हिदुस्तानी शास्त्रीय संगीत में हिंदुस्तानी गायिका सुरश्री केसरबाई केरकर की आवाज़ भी है।

सम्मान व पुरस्कार

संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार, भारत सरकार, 1935

पद्म भूषण, 1969

गुरु रवीन्द्रनाथ टैगोर द्वारा सुरश्री की उपाधि

मृत्यु

केसरबाई केरकर का 16 सितंबर, 1977 को देहांत हुआ।

सैलरी आने और EMI की डेट में बड़ा गैप, फिर क्यों कम हो जाता है क्रेडिट स्कोर

नई दिल्ली (एजेंसी)। सैलरी आने और EMI की तारीख में बड़ा अंत होता है। इसके बावजूद कई लोगों का क्रेडिट स्कोर बहुत कम हो जाता है। आखिर इसके पीछे की वजह क्या है। क्यों ऐसा होता है। इसे बारे में गुड स्कोर के फाउंडर संचित बंसल ने जागरण बिजनेस से बात करते हुए बड़े ही अच्छे तरीके से समझाया है। आइए आसान भाषा में उदाहरण के साथ इसे समझने की कोशिश करते हैं।

आकांक्षा शर्मा, जो द्वारका, दिल्ली में एक HR मैनेजर हैं, अपनी फाइनेंशियल प्लानिंग को लेकर काफी सतर्क रहती हैं। वह समय पर बिल भरती हैं, बजट बनाकर खर्च करती हैं और सेविंग की भी आदत रखती हैं। लेकिन पिछले महीने अचानक उनका क्रेडिट स्कोर 34 अंक गिर गया।

पैसे उनके खाते में थे। उन्हें EMI की रिमाइंडर भी मिली थी। फिर भी वह समय पर EMI नहीं भर पाईं। असल वजह थी - तारीखों का मेल नहीं बैठना। EMI की अंतिम तारीख थी महीने की 3 तारीख, लेकिन उनकी सैलरी आमतौर पर 7 तारीख को आती है। रोजमर्रा की भागदौड़, काम के प्रेशर और पारिवारिक जिम्मेदारियों के बीच यह भुगतान उनके दिमाग से फिसल गया।

दुर्भाग्य से, क्रेडिट सिस्टम इतनी सहनशील नहीं होती। EMI चूकते ही क्रेडिट ब्यूरो में रिपोर्ट हो जाती है और स्कोर में 25 से 60 अंक की गिरावट आ सकती है। इसका असर लोन, क्रेडिट कार्ड या यहां तक कि कुछ नौकरी के अवसरों पर भी पड़ता है।

हर EMI चूक आर्थिक तंगी नहीं होती- जब भी कोई EMI मिस होती है, ज्यादातर लोग मान लेते हैं कि सामने वाला आर्थिक परेशानी में है। लेकिन मैंने हजारों यूज़र्स के साथ काम करते हुए यह देखा है कि अधिकतर EMI मिस सिर्फ़ तारीख़ या याददाश्त की गलती होती है – पैसे की कमी नहीं।

लोग अपनी आर्थिक दिनचर्या अपने वेतन, किराये, स्कूल की फीस और त्योहारों के खर्च के हिसाब से सेट करते हैं। लेकिन बैंक और लोन कंपनियों की EMI तारीख़ें अक्सर इस चक्र से मेल नहीं खातीं।

जब EMI की तारीख सैलरी से पहले होती है, तो लोग अक्सर सोचते हैं, सैलरी आते ही भर दूंगा। लेकिन फिर कामकाज और ज़िन्दगी की व्यस्तता में वे भूल जाते हैं।

EMI चूकने के तीन बड़े कारण- मेरे अनुभव के अनुसार, EMI चूकने के तीन मुख्य कारण होते हैं।

केमिकल बनाने वाली कंपनी को हुआ 2000% का मुनाफा, शेयर खरीदने की मची लूट

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमल लिमिटेड ने चालू वित्त वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही के लिए जबरदस्त वित्तीय नतीजे पेश किए हैं। कंपनी ने समेकित आधार पर 940.32 करोड़ रुपये का नेट प्रॉफिट हासिल किया है, जो पिछले साल की समान तिमाही के 44.67 करोड़ रुपये से लगभग 1989त्न अधिक है।

यह बंपर बढ़ोतरी कंपनी के ऑपरेशन में हुई मजबूती और नए ऑर्डर बुक के चलते संभव हुई है। बता दें अमल लिमिटेड की शुरुआत 1974 में हुई थी। कंपनी बल्क केमिकल के निर्माण के व्यवसाय में है।

अमल लिमिटेड के शेयरों में तूफानी तेजी देखने को मिली है। अभी इसका मार्केट कैप 990 करोड़ रुपये है। वहीं अमल लिमिटेड के शेयर की कीमत 800.50 रुपये है। अमल शेयर में पिछले 5 साल में 502.38त्न की तेजी देखने को मिली है। इसके शेयर को खरीद की लूट मची हुई है।

यह 1 साल में 116.38त्न तक बढ़ चुका है। वहीं 6 महीने में इसने 68.21त्न का रिटर्न दिया है। इस साल अब तक यह 82.97त्न तक उछल चुका है।

वित्तीय प्रदर्शन की मुख्य बातें- अमल लिमिटेड का रेवेन्यू 4,774.86 करोड़ रुपये रहा जबकि यह पिछले साल 2,057.30 करोड़ रुपये था। वहीं नेट प्रॉफिट 940.32 करोड़ रुपये दर्ज किया गया है।

फ्लैट या फिर प्लॉट खरीद कर घर बनवाना सही, अपने गलती तो नहीं कर दी?

नई दिल्ली (एजेंसी)। आज के जमाने में अपना घर होना बहुत जरूरी है। अगर आप इस महंगाई मे घर खरीद या बनवा रहे हैं तो यह एक बड़ी उपलब्धि है। लेकिन सवाल यह उठता है कि आखिर फ्लैट खरीदें या फिर जमीन खरीदकर घर बनवाएं? किसमें हमें ज्यादा फायदा है। आइए MyMoneyMantra.com के फाउंडर और एमडी राज खोसला से।

राज खोसला जी ने स्टेप बाय- स्टेप बताया है कि आखिर फ्लैट खरीदने में क्या फायदा है और क्या नुकसना और जमीन यानी प्लॉट खरीदकर घर बनवाने में क्या फायदा और क्या है नुकसान। और अंत में उन्होंने बताया है कि आखिर कौन ज्यादा बेहतर होता है।

प्लॉट खरीदने के फायदे- कम लागतः प्लॉट आमतौर पर उसी इलाके में बने-बनाए घरों की तुलना में ज्यादा किफायती होते हैं।

घर बनाने की आजादीः अगर आपके पास प्लॉट है, तो आप अपने सपनों का घर अपनी पसंद के हिसाब से बना सकते हैं, जबकि अधिकतर बने-बनाए घरों में ऐसा नहीं होता, जहां आपको प्रॉपर्टी विक्रेता द्वारा दिए गए कुछ विकल्पों में से चुनना होता है।

कम रखरखाव लागतः प्लॉट में इमारतों की तरह रखरखाव का खर्च नहीं होता।

मूल्यवृद्धिः अगर आप प्रॉपर्टी में निवेश करना चाहते हैं, तो जमीन की कीमत आमतौर पर पहले से बनी प्रॉपर्टी की तुलना में तेज़ी से बढ़ती है, खासकर विकासशील इलाकों में।

निवेश मूल्यः अगर आपको घर बदलने की जल्दी नहीं है, तो प्लॉट खरीदना लंबी अवधि के निवेश के लिए आदर्श है।

प्लॉट खरीदने के नुकसान- तत्काल उपयोग नहींः अगर आप जल्दी से रहने के लिए कोई संपत्ति ढूंढ रहे हैं, तो प्लॉट खरीदना आपके लिए आदर्श विकल्प नहीं है, क्योंकि जब तक आप निर्माण नहीं करवा लेते, तब तक आप रह नहीं रह सकते।

लिस्ट होने से पहले ही GMP में बवाल काट रहा ये आईपीओ, लिस्टिंग वाले दिन मालामाल हो सकते हैं निवेशक

नई दिल्ली (एजेंसी)। लाउंज और क्विक सर्विस रेस्टोरेंट चेन चलाने वाली कंपनी ट्रैवल फूड सर्विसेज लिमिटेड का 2000 करोड़ रुपये का आईपीओ क्लोज हो चुका है। शेयरों का आवंटन भी हो चुका है। 10 जुलाई को शेयरों का अलॉटमेंट हुआ था। जिन लोगों को शेयर आवंटित हो चुके हैं, उनके शेयर शुक्रवार, 11 जुलाई को डीमैट खातों में जमा कर दिए गए हैं। जिन्हें शेयर अलॉट नहीं हुए हैं उनके पैसे भी 11 जुलाई को ही भेज दिए गए हैं। इस समय कंपनी के GMP ने बवाल काट रखा है। इसकी लिस्टिंग सोमवार 14 जुलाई को होनी है। लेकिन लिस्टिंग से पहले ही निवेशक बहुत ही उत्साहित हैं। इसके पॉजिटिव लिस्टिंग की संभावना जताई जा रही है। आइए जानते हैं कि इसका GMP कितना है।

2007 में स्थापित, ट्रैवल फूड सर्विसेज ने हवाई अड्डे के खाद्य और पेय पदार्थ क्षेत्र में अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई है। भारत और मलेशिया में इसके 397 क्विक सर्विस रेस्टोरेंट और लाउंज है। कंपनी 117 साझेदार और इन-हाउस ब्रांडों के व्यापक पोर्टफोलियो का प्रबंधन करती है।

भाग रहा है Travel Food Services का GMP- ग्रे मार्केट प्रीमियम में Travel Food Services के आईपीओ का जीएमपी बवाल काटता नजर आ रहा है। अभी फिलहाल इसका जीएमपी 40 रुपये है। इस जीएमपी के हिसाब से यह 1140 रुपये के स्तर पर लिस्ट हो सकता है। यानी निवेशकों को 3.64 फीसदी का मुनाफा हो सकता है।

भारत ने चीन को किया दरकिनार, कंगारू देश से रेयर अर्थ एलिमेंट्स की डील के लिए बढ़ाया हाथ; ड्रैगन को दिखाई आंख!

नई दिल्ली (एजेंसी)। हमारा देश एक महत्वपूर्ण औद्योगिक परिवर्तन के कगार पर है। हम रेयर अर्थ एलिमेंट्स और अन्य महत्वपूर्ण खनिज प्रमुख भूमिका में हैं। दुर्लभ खनिजों में चीन का एकाधिकार है। उसने इन एलिमेंट्स के निर्यात पर प्रतिबंध लगा दिया है। यही कारण है कि इस दिशा में हमारा देश आत्मनिर्भर बनने की दिशा में कई बड़े कदम उठा चुका है। चीन को दरकिनार कर भारत ने कंगारू देश ऑस्ट्रेलिया से इस पर साझेदारी की बात आगे बढ़ा दी है।

कंगारू देश ऑस्ट्रेलिया ने भारत को दुर्लभ खनिजों का प्रमुख आपूर्तिकर्ता बनने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई है। क्योंकि इलेक्ट्रिक वाहनों और अन्य उपकरणों रेयर अर्थ एलिमेंट्स की मांग बढ़ रही है।

भारत को रेयर अर्थ एलिमेंट्स देना चाहता है ऑस्ट्रेलिया- एनर्जी वीक 2025 में ऑस्ट्रेलिया के उच्चायुक्त फिलिप ग्रीन ने कहा, हम भारत जितने बड़े विनिर्माण देश नहीं हैं। लेकिन हमारे पास दुर्लभ खनिजों का भंडार है।

रेयर अर्थ एलिमेंट्स इलेक्ट्रिक वाहनों, विंड एनर्जी और इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों में उपयोग होते हैं। न्यू साउथ वेल्स की व्यापार और निवेश आयुक्त मालिनी दत्त ने बताया कि भारत के अलावा ऑस्ट्रेलिया की और भी कई पक्षों के साथ बातचीत चल रही है। क्योंकि NSW में दुर्लभ खनिज प्रचुर मात्रा में हैं।

ऑस्ट्रेलिया को भारत पर भरोसा

ऑस्ट्रेलिया के उच्चायुक्त फिलिप ग्रीन ने कहा, ऑस्ट्रेलिया, भारत के आर्थिक विकास में विश्वास रखता है। भारत अब हमारा टॉप पार्टनर है। और हमारा द्विपक्षीय रिश्ता तेजी से बढ़ रहा है। जलवायु परिवर्तन की समस्या के समाधान में भारत की भूमिका अहम है। हाल ही में 1 जुलाई को हुए क्वाड शिखर सम्मेलन में भारत, ऑस्ट्रेलिया, जापान और अमेरिका ने दुर्लभ खनिजों पर चर्चा की।

लाखों पेंशनधारकों के लिए खुशखबरी, जनवरी 2026 से बढ़ जाएगी पेंशन

नई दिल्ली (एजेंसी)। 8वां वेतन आयोग लागू होते ही सरकारी कर्मचारियों की सैलरी में भारी इजाफा होने वाला है। कर्मचारियों के साथ पेंशनर्स की पेंशन में इजाफा होगा। दिसंबर 2025 में 7वां वेतन आयोग समाप्त हो रहा है। ऐसे में जनवरी 2026 से 8th पे कमीशन लागू होना है। हालांकि, अभी तक इस संबंध में सरकार की ओर कोई जानकारी नहीं दी गई है कि इसे कब से लागू किया जाएगा। लेकिन उम्मीद जताई जा रही है कि केंद्र सरकार इसे जनवरी 2026 से ही लागू किया जा सकता है।

8th Pay Commission से कितनी बढ़ेगी पेंशन- अगले वेतन आयोग के लागू होते ही केंद्रीय कर्मचारियों और पेंशनरों की पेंशन बढ़ जाएगी। ब्रोकरेज फर्म एम्बिट कैपिटल के अनुसार, 8वें वेतन आयोग से पेंशन धारकों की पेंशन में 30-34% की वृद्धि हो सकती है।

दैनिक हिन्दकुश

hindkush.in
24x7 News portal

सर्वे भवन्तु सुखिनः
उज्जैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित

jagrayam.com
online news magazine

ऑनलाईन संवाददाता/ब्यूरो प्रतिनिधि चाहिए

हिन्दकुश मीडिया

hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

ज्यादा ब्याज के लालच में फंसा व्यापारी, उसके 55 लाख रुपये हड़प गया बैंक अधिकारी

जबलपुर। गोरखपुर थाना क्षेत्र के एक निजी बैंक के अधिकारी ने उनकी शाखा से लेन-देन करने वाले एक व्यापारी को ज्यादा ब्याज के लालच में फंसाया। निवेश के नाम पर उसके 55 लाख रुपये हड़प कर गायब हो गया। मामले में शुक्रवार को आरोपित बैंक अधिकारी अंकित कुमार पटेल के विरुद्ध गोरखपुर थाना में धोखाधड़ी का एफआईआर दर्ज की गई है। आरोपित फरार है।यह है पूरा मामला

कटंगा निवासी विनोद कुमार सविता (51) विनोद एंड एसोसिएट और पोरस ग्रुप फार्मलैण्ड फर्म के संचालक है। उनकी दोनों फर्म का एक्सिस बैंक की कटंगा शाखा में खाता है। जिससे लेन-देन को लेकर विनोद का बैंक में आना-जाना रहता है। इसी दौरान बैंक में सहायक प्रबंधक अंकित कुमार पटेल उनके कार्यों में सहयोग करने लगा। धीरे-धीरे उनकी पहचान बढ़ गई। इस दौरान व्यापारी से सहायक प्रबंधक बैंक से संबंधित कई बातें भी साझा करने लगा। एक दिन बातों-बातों में उसने विनोद को बताया कि बैंक में कई खाते एनपीए (गैर निष्पादित परिसंपत्ति) हो रहे है। इससे बैंक की साख प्रभावित होगी। यदि वह ऐसे खातों में कुछ राशि निवेश कर उन्हें एनपीए होने से बचाता है तो बैंक की ओर से कई अतिरिक्त सुविधाएं एवं लाभ दिया जाएगा। जमा की गई राशि को बैंक एक प्रतिशत अधिक ब्याज के साथ वापस करेगा। इस झांसे में विनोद आ गए।

फोन बंद कर लिया तो संदेह बढ़ा सहायक प्रबंधक ने विनोद को वित्तीय वर्ष की समाप्ति पर जमा की गई राशि को वापस करने का बोला था। अप्रैल माह में जब विनोद ने उसे फोन किया तो भुगतान प्रक्रिया में होना बताया। कुछ समय बाद दोबारा फोन करने पर उसने स्वास्थ्य खराब होना बताया। ठीक होते ही उसके रुपये वापसी की प्रक्रिया करने की बात कही। फिर कुछ समय बाद उसने फोन उठाना बंद कर दिया। कुछ समय से उसका फोन बंद बताने लगा। तब विनोद ने पुलिस के पास पहुंचकर धोखाधड़ी की शिकायत किया।

दोनों फर्म से रुपये किया स्थानांतरित अंकित के कहने पर विनोद ने दिसंबर, 2024 से मार्च, 2025 के बीच अलग-अलग खाते में रुपये स्थानांतरित किए। फर्म विनोद एंड एसोसिएट से 27 लाख 81 हजार रुपये और पोरस ग्रुप फार्मलैण्ड के खाता से 27 लाख 31 हजार 800 रुपये भेजे गए। यह राशि देवेश, पिंकी मिश्रा, अनिल लाल एंड कम्पनी स्माल फाइनेंस बैंक लिमिटेड, अमित कुमार सोनी, पिंकी मेहरा, अमित कुमार सोनी, हर्षिता राय, पूनम सोनी सहित कुछ अन्य व्यक्तियों के खाते में भेजी गई है।

साबुन का ऑर्डर लिया..हड़पे रुपये, जबलपुर व्यापारी से 15 लाख की ठगी

जबलपुर। साबुन की थोक खरीदारी के नाम पर जबलपुर के एक व्यापारी से लाखों रुपये की ठगी का मामला सामने आया है। व्यापारी ने इंदौर की एक कंपनी से 900 पेटी साबुन का ऑर्डर दिया था और इसके बदले 15 लाख रुपये एडवांस भी जमा कर दिए। लेकिन न तो माल आया और न ही पैसा वापस मिला। अब व्यापारी की शिकायत पर माढ़ोताल पुलिस ने इंदौर स्थित कंपनी के दोनों संचालकों के खिलाफ धोखाधड़ी का केस दर्ज कर लिया है।15 लाख रुपये में हुआ था साबुन का सौदा जानकारी के अनुसार, माढ़ोताल क्षेत्र में रहने वाले आदित्य महेश्वरी, 'बंग डिस्ट्रीब्यूटर' नाम से फर्म चलाते हैं। वे कटंगी बायपास पर कास्मेटिक और खाद्य सामग्री का थोक व्यापार करते हैं।

18 अक्टूबर 2024 को उन्होंने इंदौर की ट्रांसकेट रिटेल प्राइवेट लिमिटेड नामक कंपनी के डायरेक्टर अतुल पाल और राम साहू से संपर्क किया। दोनों के साथ 40 रुपये प्रति साबुन की दर से 900 पेटियों का सौदा तय हुआ। सौदे के अनुसार, आदित्य ने एडवांस में ?15,00,000 रुपये कंपनी के खाते में ट्रांसफर कर दिए।

न माल मिला, न पैसा लौटा सौदा तय होने के कई दिन बाद तक जब माल नहीं आया, तो आदित्य ने कंपनी से संपर्क करना शुरू किया। शुरुआत में कंपनी के डायरेक्टर सामान भेजने का आश्वासन देते रहे, लेकिन फिर टालमटोल करने लगे। जब व्यापारी ने पैसे वापस करने की मांग की तो उन्होंने बहानेबाज़ी शुरू कर दी। कुछ समय बाद उन्होंने फोन उठाना बंद कर दिया और पूरी तरह संपर्क से बाहर हो गए।

आखिरकार व्यापारी पहुंचा थाने कंपनी के इस व्यवहार से परेशान होकर आदित्य ने माढ़ोताल थाने में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने प्रारंभिक जांच के बाद इंदौर की ट्रांसकेट रिटेल प्राइवेट लिमिटेड के संचालकों अतुल पाल और राम साहू के खिलाफ IPC की धारा 420 (धोखाधड़ी) और अन्य संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया है।

कन्नौद में अर्द्धनग्न होकर घुटने के बल सड़क पर चले किसान

वर्तमान में शासन द्वारा आरंभ किए गए मूंग खरीदी केंद्र पर किसानों को अधिक दूरी तय कर कन्नौद के पास अंबाड़ा जाना पड़ रहा है। अधिक दूरी के केंद्र पर किराए के वाहन द्वारा मूंग बेचने जाने वाले किसानों को मूंग खरीदी केंद्रों पर अधिक भीड़ होने के कारण कई दिनों में नंबर आ रहा है जिससे किसानों को आर्थिक नुकसान झेलना पड़ रहा है।किसान अपनी मांगों को लेकर 9 जुलाई से इसी स्थान पर आंदोलन कर रहे थे। शनिवार को किसानों से चर्चा करने के लिये तहसीलदार अंजलि गुप्ता धरना स्थल पर पहुंची। उन्होंने नियमों का हवाला देते हुए किसानों को बताया कि गादिया में मूंग खरीदी केंद्र नहीं खोला जा सकता है। इसके बाद नाराज होकर आक्रोशित किसान पहले अर्द्धनग्न होकर धरने पर बैठे, इसके बाद स्टेट हाईवे पर घुटनों के बल पर चलकर मूंग खरीदी केंद्र खोले जाने की मांग करते रहे। इसके बाद सभी किसान आधा स्टेट हाईवे पर तेज धूप के बीच सड़क बैठ गए, इस दौरान आधा सड़क मार्ग चालू रहा। आंदोलन के दौरान मौका स्थल पर तहसीलदार गुप्ता, टीआई तहजीब काजी सहित राजस्व एवं कृषि विभाग के अधिकारी कर्मचारी तथा बड़ी संख्या में पुलिस बल मौजूद रहा।

देवास। जिले के कन्नौद क्षेत्र के ग्राम गादिया में मूंग खरीदी केंद्र शुरू करने की मांग को लेकर शनिवार दोपहर नीमखेड़ा में किसान सड़क पर उतर आए। अर्द्धनग्न होकर विरोध प्रदर्शन किया गया। इस दौरान किसान घुटने के बल भी चले और कुछ देर के लिए सड़क पर बैठने से आवागमन प्रभावित रहा। यह क्षेत्र केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान के विदिशा संसदीय क्षेत्र में आता है।

ग्राम नीमखेड़ा में स्टेट हाईवे 41 खंडवा-पचोर पर क्षेत्र के किसानों ने प्रदर्शन किया। किसानों की मांग है कि क्षेत्र की भौगोलिक स्थिति को देखते हुए एवं क्षेत्र के नहर से जुड़े होने के कारण समीप के स्थान गादिया में समर्थन मूल्य पर मूंग खरीदी केंद्र खोला जाना चाहिए।

शादी टूटने से नाराज युवक ने उठाया खौफनाक कदम, पहले की मारपीट, फिर चाकू से पिता-पुत्री का काटा गला

बालाघाट। जिले के वारासिवनी थाना अंतर्गत ग्राम बुदबुदा में एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। यहां शादी जुड़ने और फिर टूट जाने से नाराज एक युवक ने शनिवार को मौका पाते ही घर के अंदर घुसकर पहले 85 वर्षीय वृद्धा व तीन वर्षीय बालक के साथ लकड़ी से मारपीट की और फिर जिससे युवती से शादी होने वाली उसका चाकू से गला काट दिया इतना नहीं उसका पिता जैसे घर पहुंचा उसने उसका भी गला काट दिया और मौके से फरार हो गया। पिता-पुत्री का चल रहा है इलाज इस वारदात में गंभीर रुप से घायल पिता-पुत्री को तत्काल ही जिला अस्पताल उपचार के लिए लाया गया और यहां पर उनका उपचार करने के बाद उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए दोनों को मेडिकल रेफर कर दिया है। मामले की गंभीरता को देखते हुए जिला अस्पताल में वारासिवनी थाना, अस्पताल चौकी के स्टाफ के साथ ही नायब तहसीलदार वंदना कुशराम भी मौजूद रही।

खेत में परहा लगाने गया था परिवार मामले के संबंध में मिली जानकारी के अनुसार युवती के पिता बस्तीराम पिता सुखराम राणा 50 वर्ष बुदबुदा निवासी अपने परिवार के साथ खेती किसान करता है और उसकी बेटी सीमा पिता बस्तीराम राणा 24 वर्ष की शादी सांवगी निवासी धनेन्द्र पिता कोमल ठाकरे के साथ हुई थी जो कि टूट गई थी। जिसके चलते युवक नाराज चल रहा था और बदले की फिराक में थो। शनिवार को पिता व परिवार के अन्य सदस्य के साथ खेत में परहा लगाने गए थे और घर पर युवती सीमा उसकी दादी चुनन बाई पति सुखराम राणा और तीन वर्षीय बालक अभी घर पर थे।

आरोपी ने चाकू से दोनों का काटा गला दोपहर करीब 12 बजे युवक अपने दोपहिया वाहन से उनके घर पहुंचा और पहले तो उसने लकड़ी से दादी व बालक के साथ मारपीट किया। जिसके बाद उसने चाकू निकालकर युवती के गले पर वार कर दिया जिससे वह गंभीर रुप से घायल हो गई। इसी दौरान पिता भी खेत से घर आया और युवक ने पिता का भी चाकू से गला काट दिया।

घटना की जानकारी लगते ही पूरे गांव में हल्ला हो गया और मामले की सूचना पुलिस को दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर गंभीर रुप से घायल पिता-पुत्री को अस्पताल पहुंचाया। वहीं वारासिवनी थाना पुलिस ने मामले में युवक के विरुद्ध अपराध दर्ज कर युवक को पकड़ने के लिए उसकी तलाश शुरु कर दी हैं।

विद्यार्थी सिर्फ अपनी पढ़ाई की चिंता करें, उनके उज्जवल भविष्य की चिंता सरकार कर रही है

मुख्यमंत्री डॉ यादव ने इंदौर में विद्यार्थियों को पुस्तिकाएं वितरित की

इंदौर। विद्यार्थी मन लगाकर पढ़ें, और सिर्फ अपनी पढ़ाई की ही चिंता करें। विद्यार्थियों के उज्जवल भविष्य के लिए प्रदेश सरकार हर संभव प्रयास कर रही है। यह बात मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने इंदौर के बास्केटबॉल कॉम्प्लेक्स परिसर में ÷हिंद रक्षक संगठन÷ द्वारा आयोजित ÷पुण्योदय प्रकल्प÷ कार्यक्रम के तहत विद्यार्थियों के लिए आयोजित पुस्तिका वितरण कार्यक्रम में उपस्थित विद्यार्थियों से कही। इस अवसर पर प्रदेश के जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट, सांसद श्री शंकर लालवानी, विधायक श्री महेंद्र हार्डिया, विधायक सुश्री उषा ठाकुर, विधायक श्रीमती मालिनी गौड़, विधायक श्री गोलू शुक्ला, इंदौर के महापौर श्री पुष्यमित्र भार्गव सहित विभिन्न जनप्रतिनिधि मौजूद थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस अवसर पर कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलित कर किया। कार्यक्रम के अंत में उन्होंने उपस्थित विद्यार्थियों को पुस्तिकाएं वितरित की।

इस अवसर पर संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश सरकार ने विद्यार्थियों के उज्जवल भविष्य के लिए बहुत सी योजनाएं प्रारंभ की हैं। सरकार की योजनाओं की मदद से गरीब से गरीब विद्यार्थी भी अपनी उच्च शिक्षा जारी रख सकता है। वंचित वर्ग के विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा के लिए विदेश जाने तक की सुविधा प्रदेश सरकार ने उपलब्ध कराई है। उन्होंने कहा कि हायर सेकेंडरी परीक्षा में 75 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले हजारों मेधावी विद्यार्थियों को सरकार हर साल लैपटॉप वितरित कर रही है। स्कूल में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाली विद्यार्थियों को स्कूटी वाहन वितरित किए जा रहे हैं। गांव के बच्चों को स्कूल जाने के लिए निशुल्क साइकिलें वितरित की जा रही हैं। हर साल लगभग 5 लाख साइकिलें विद्यार्थियों को निशुल्क उपलब्ध कराई जा रही हैं। स्कूली विद्यार्थियों को निशुल्क गणवेश और निशुल्क पाठ्य पुस्तक वितरण की योजना भी सरकार ने शुरू की है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस अवसर पर कहा कि वर्ष 2003 में प्रदेश में केवल 5 मेडिकल कॉलेज ही थे, जो कि अब बढ़कर 37 हो चुके हैं। उन्होंने कहा कि मेडिकल कॉलेज में पढ़ाई के लिए गरीब मेधावी विद्यार्थियों की फीस सरकार भर रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस अवसर पर कहा कि प्रदेश में सरकार ने सर्व सुविधा युक्त सांदीपनि स्कूल शुरू किए हैं, जिनमें विद्यार्थियों को उत्कृष्ट स्तर की शिक्षा उपलब्ध हो रही है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हमारा देश सक्षम, सशक्त और सबल बना है।

शहरी विकास को मिलेगी नई दिशा

इंदौर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की विशेष उपस्थिति में आज इंदौर में मध्यप्रदेश ग्रोथ कॉन्क्लेव का सफलतापूर्वक आयोजन हुआ। इस आयोजन में उद्योग, होटल, रियल एस्टेट, एजुकेशन, रिन्यूअल एनर्जी, आईटी आदि क्षेत्रों में लगभग 30 हजार करोड़ रुपये से अधिक के निवेश के प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। इससे प्रदेश में 15 हजार से अधिक रोजगार के नये अवसर सृजित होंगे। शहरी एवं औद्योगिक विकास को नई ऊचाईयां प्राप्त होंगी। कॉन्क्लेव में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रदेश के विकास के लिये 12 हजार 360 करोड़ रुपये की सौगातें भी दी। उन्होंने मुख्य रूप से जल प्रदाय, सीवरेज, स्वच्छता और अधोसंरचना निर्माण के लिये 5 हजार 454 करोड़ रुपये से अधिक के विकास कार्यों कार्यों की सौगातें दी। साथ ही प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी के तहत 65 हजार से अधिक हितग्राहियों को 2 हजार 799 करोड़ रुपये से अधिक का अनुदान भी दिया।

कार्यक्रम में आज मुख्य रूप से उद्योग, होटल, रियल एस्टेट, एजुकेशन, रिन्यूअल एनर्जी, आईटी आदि क्षेत्रों में लगभग 30 हजार करोड़ रुपये से अधिक के निवेश के प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। इसमें से औद्योगिक क्षेत्र में 12 हजार 473 करोड़ रुपये का निवेश प्राप्त हुआ है। इसी तरह होटल क्षेत्र में 3 हजार 344 करोड़ रूपये, रियल एस्टेट क्षेत्र में 1812.14 करोड़ रुपये, एजुकेशन क्षेत्र में 72.45 करोड़ रूपये, रिन्यूअल एनर्जी क्षेत्र में 500 करोड़ रूपये तथा आईटी क्षेत्र में 100 करोड़ रूपये के निवेश के प्रस्ताव मिले हैं।

श्रावण मास यात्रा के चलते भारी वाहनों की आवाजाही पर प्रतिबंध

इंदौर। श्रावण मास की शुरुआत के साथ ही शुरू हो रही धार्मिक यात्राओं और श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए खंडवा जिला प्रशासन ने सुरक्षा एवं यातायात व्यवस्था के मद्देनजर महत्वपूर्ण फैसला लिया है। 11 जुलाई से प्रारंभ हो रही श्रावण मास की कावड़ यात्राओं के मद्देनजर खण्डवा-इन्दौर मार्ग पर भारी वाहनों की आवाजाही पर पूर्णतः प्रतिबंध लगा दिया गया है।

जिला दण्डाधिकारी एवं कलेक्टर श्री ऋषव गुप्ता द्वारा जारी आदेश के अनुसार यह मार्ग अत्यंत व्यस्त रहने से दुर्घटना की संभावनाएं बढ़ जाती हैं, जिससे श्रद्धालुओं की सुरक्षा प्रभावित हो सकती है। अतः जन सुरक्षा, शांति एवं सुव्यवस्था बनाए रखने हेतु यह प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किया गया है। 11 जुलाई 2025 से इन्दौर-इच्छापुर मार्ग पर मालवाहक भारी वाहनों का संचालन प्रतिबंधित रहेगा। बुरहानपुर की ओर से जिले में प्रवेश करने वाले भारी वाहन खण्डवा जिले के ग्राम देशग्राम से होते हुए एबी रोड तक पहुंच सकेंगे। इन्दौर से चलने वाले भारी वाहन तेजाजी नगर से डायवर्ड होकर मानपुर- खरगोन के रास्ते होते हुए ग्राम देशगांव में प्रवेश कर देशगांव के आगे मार्ग से बुरहानपुर तक पहुंच सकेंगे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने 'मध्यप्रदेश ग्रोथ कॉन्क्लेव 2025 में कल के शहरों का निर्माण थीम पर आधारित प्रदर्शनी का उद्घाटन कर अवलोकन किया

इंदौर। मुख्यमंत्री डॉक्टर मोहन यादव ने ब्रिलिएंट कन्वेंशन सेंटर में मध्यप्रदेश ग्रोथ कॉन्क्लेव 2025 अन्तर्गत प्रदेश के शहरी क्षेत्रों में विकास के लिए संचालित विभिन्न प्रोजेक्ट्स के माध्यम से विकसित सुदृढ़ अधोसंरचना ,नवाचारों, निवेश प्रोत्साहन नीतियों एवं योजनाओं से संबंधित कल के शहरों का निर्माण थीम पर आधारित प्रदर्शनी का उद्घाटन कर अवलोकन किया।

प्रदर्शनी में नगरीय विकास एवं आवास मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय, जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट , कमिश्नर नगरीय विकास एवं आवास श्री संकेत भोंडवे, कमिश्नर श्री दीपक सिंह एवं अन्य उपस्थित रहें।

इंदौर विकास प्राधिकरण- प्रदर्शनी में इंदौर विकास प्राधिकरण की प्रदर्शनी में संभागायुक्त श्री दीपक सिंह द्वारा अधोसंरचना विकास के लिए अपनाए मॉडल जिसमें पीपीपी मॉडल पर आधारित बहुउद्देशीय स्पोर्ट्स पार्क के निर्माण , एयरपोर्ट के पास कन्वेंशन सेंटर , इंदौर में स्टार्टअप कल्चर को बढ़ावा देने के लिए निर्माणाधीन स्टार्टअप पार्क की प्रदर्शनी के संबंध में अवगत कराया । इंदौर विकास प्राधिकरण की प्रदर्शनी में सारे प्रोजेक्ट्स की जानकारी को डिजिटली उपलब्ध कराने के लिए वो क्यूआर कोड की व्यवस्था की गई हैं। प्रदर्शनी स्थल पर डिजिटल व्यवस्था देखकर मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने प्रसन्नता व्यक्त की।

शहरी उत्कृष्टता के लिए आधुनिक तकनीक विषय पर सत्र में हुई चर्चा

इंदौर। ब्रिलियंट कन्वेंशन सेंटर इंदौर में शुक्रवार को मध्यप्रदेश ग्रोथ कॉनक्लेव 2025 के अंतर्गत शहरी उत्कृष्टता के लिए आधुनिक तकनीक विषय Integrating technology for urban excellence विषय पर सत्र का आयोजन हुआ जिसमें शहरी विकास में आधुनिक तकनीकों जैसे एआई, आईओटी, क्वांटम तकनीकों के प्रयोग पर विस्तृत चर्चा की गई।

सत्र में श्री विनय ठाकुर, स्पेशल डायरेक्टर जनरल BISAG-N ने बताया कि शहरी क्षेत्र में उत्कृष्ट अवसंरचना के विकास के लिए आधुनिक तकनीक के एकीकरण से नागरिकों के पक्ष में उपयोग किया जाए जिसमें परिवहन सुविधा , स्मार्ट पुलिसिंग, जिओ टैगिंग कर रेरा नियामकों की मॉनिटरिंग, एआई टूल का मैनेजमेंट के संबंध में बताया गया। सत्र में श्री आर. के. मिश्रा, मैनेजिंग डायरेक्टर, NICSI ने बताया कि आधुनिक तकनीक के समायोजन के लिए भारत सरकार के इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के तहत NICSI के द्वारा शहरी विकास के लिए विभिन्न कार्य किए जा रहे हैं।

श्री कमलाकन्नन थीरुवादी, रीजनल एग्जीक्यूटिव, दक्षिण एशिया बेंटली सिस्टम ने कहा कि देश के सबसे स्वच्छ शहर इंदौर में ग्रोथ कॉनक्लेव का आयोजन होना सुखद हैं।

इंदौर में SMILE योजना पर कार्यशाला संपन्न

इंदौर। ब्रिलियंट कन्वेंशन सेंटर, इंदौर में आज सचिव DoSJE श्री अमित यादव की अध्यक्षता में एक दिवसीय कार्यशाला एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम SMILE उपयोजना के अंतर्गत भिक्षावृत्ति में संलग्न व्यक्तियों के समग्र पुनर्वास पर केंद्रित था। कार्यक्रम का आयोजन सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय द्वारा किया गया, जिसमें देशभर से विभिन्न नोडल अधिकारी एवं कार्यान्वयन एजेंसियों के प्रतिनिधि शामिल हुए।

कार्यक्रम का शुभारंभ प्रातः 9ः30 बजे दीप प्रज्वलन एवं अतिथियों के स्वागत के साथ हुआ। स्वागत भाषण अतिरिक्त सचिव श्रीमती करालिन खोंगवर देशमुख ने दिया। इसके पश्चात प्रमुख सचिव श्रीमती सोनाली पोंक्षे वायंगणकर (न्याय एवं विकलांगता विभाग, म.प्र.) तथा अपर मुख्य सचिव नगरीय एवं आवास विभाग श्री संजय दुबे ने संबोधित किया। सचिव श्री अमित यादव द्वारा की गई मुख्य वक्तव्य प्रस्तुति ने SMILE योजना के उद्देश्यों को स्पष्ट किया। निदेशक डॉ. काजल सिंह द्वारा योजना की वर्तमान स्थिति पर प्रस्तुति दी गई।

कार्यक्रम में मोबिलाइजेशन/राहत एवं प्रारंभिक पुनर्वास विषय पर पहला सत्र हुआ, जिसमें डॉ. रंजना सहगल (पूर्व प्रमुख, इंदौर स्कूल ऑफ सोशल वर्क) ने विचार साझा किए। पुनर्वासित व्यक्तियों ने भी अपने अनुभव साझा कर उपस्थित जनों को प्रेरित किया।

दूसरे सत्र में स्वरोजगार एवं कौशल विकास पर श्वेता भट्टाचार्य (एनएसडीसी) ने बताया कि किस प्रकार विभिन्न सरकारी योजनाओं के समन्वय से भिक्षावृत्ति में संलग्न लोगों को आजीविका के अवसर मिल सकते हैं। इसके उपरांत एक पैनल चर्चा आयोजित हुई जिसमें केरल,उत्तराखण्ड, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान से आए प्रतिनिधियों ने अपने राज्यों में लागू मॉडल्स की जानकारी दी। चर्चा का संचालन श्री रामाशंकर पांडेय ने किया।

दोपहर बाद SMILE-B के संशोधित दिशा-निर्देशों पर प्रस्तुति दी गई और अधिकारियों व NGO प्रतिनिधियों से फीडबैक प्राप्त किया गया। इसके बाद सचिव श्री अमित यादव ने आगे की रणनीति पर विचार सांझा किये। कार्यक्रम के अंतिम सत्र में तकनीकी मुद्दों पर चर्चा हुई जिसमें वित्तीय प्रबंधन पर DoSJE की संयुक्त सचिव व वित्तीय सलाहकार श्रीमती देवोलीना ठाकुर ने प्रकाश डाला। इसके बाद SMILE-B SOPs तथा पोर्टल डेटा रिपोर्टिंग के विषयों को शामिल किया गया। इसके बाद लखनऊ से आए पुनर्वासित बच्चों द्वारा भावनात्मक सांस्कृतिक प्रस्तुति दी गई, जिसने सभी प्रतिभागियों को भावविभोर कर दिया।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने केसरबाग क्षेत्र में एक बगिया माँ के नाम अभियान के भूमिपूजन एवं पौधारोपण किया

इंदौर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश तेजी से प्रगति के पथ पर आगे बढ़ रहा है। भारत वसुधैव-कुटुम्बकम की संस्कृति पर चल रहा है, जहाँ पूरा विश्व एक परिवार की तरह है। जब सारा विश्व युद्ध में झुलस रहा है, तब भारत जियों और जीने दो का संदेश देकर अपनी उदार संस्कृति का परिचय दे रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव आज दोपहर को केसरबाग क्षेत्र में एक बगिया माँ के नाम नगर वन निर्माण का भूमिपूजन एवं पौधारोपण कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने आगे कहा कि यह संयोग है कि आज श्रावण माह का पहला दिन है और इसी दिन केसरबाग क्षेत्र में एक बगिया माँ के नाम के तहत इंदौर को हरा-भरा और सुंदर बनाने का संकल्प लिया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भारत के लोग प्रारंभ से ही प्रकृति के निकट रहे हैं और उन्होंने प्रकृति में भी परमात्मा के दर्शन किये है। गाँव का एक साधारण सा ग्रामीण भी जानता है कि वे पौधों में भी मनुष्य की तरह जान होती है, इसलिए किस पौधों को कब छूना चाहिये और कब नहीं। कार्बन उत्सर्जन को दूर करने में पौधों की बड़ी भूमिका है। पेड़ ऋषि-मुनि के समान होते है, जो प्रकृति से लेते कम देते अधिक है। सनातन संस्कृति को बचाने में हमारे संतो की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। पौधों में प्राण होते है। भारत के महान वैज्ञानिक डॉ. जगदीश चन्द्र बसु ने वैज्ञानिक रूप से सिद्ध करके दिखाया कि पौधों मे प्राण होते है।

वन्दे देव उमापतिम सुरगुरुं वन्दे जगत् कारणं, वन्दे पन्नग भूषणं मृगधरम
वन्दे पशुनाम्पतिम, वन्दे सूर्य शशांक वहिनयनम वन्दे मुकुंदप्रियम,
वन्दे भक्त जनाश्रयम च वरदम वन्दे शिवम् शंकरं !
भूतभावन बाबा श्री महाकालेश्वर भगवान सभी को आरोग्यता प्रदान करें ।

विक्रम विश्वविद्यालय स्नातक और स्नातकोत्तर की परीक्षाओ के परिणाम समय पर घोषित करने वाला मध्यप्रदेश में पहला विश्वविद्यालय बना

उज्जैन। विक्रम विश्वविद्यालय उज्जैन पूरे प्रदेश में समय पर परीक्षाएं आयोजित कर परीक्षा परिणामों को घोषित करने वाला पहला विश्वविद्यालय बन गया है ।उल्लेखनीय है कि,माननीय मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के गृह नगर का यह विक्रम विश्वविद्यालय अकादमिक सत्र के कैलेंडर का समय-सीमा में पालन करने वाला पहला विश्वविद्यालय बन गया है ।

विक्रम विश्वविद्यालय उज्जैन के कुलगुरू प्रो अर्पण भारद्वाज द्वारा अक्टूबर 2024 मे पदभार ग्रहण करने पर सबसे पहली प्राथमिकता परीक्षा परिणामों को घोषित करने की रही थी क्योंकि इनके पदभार ग्रहण करने तक पिछले सत्र की परीक्षाओं के परिणाम घोषित नहीं हुए थे,प्रो भारद्वाज ने गंभीरता से इस पर कार्रवाई की तब जाकर समस्त परिणाम 27 अक्टूबर 2024 को जारी हुए और नवंबर- दिसंबर 24 में हुई परीक्षा के परिणाम जनवरी द्वितीय सप्ताह में घोषित कर दिए गए तथा मार्च 2025 में प्रारंभ हुई परीक्षाओं का पहला परिणाम विश्वविद्यालय ने मई 2025 के पहले सप्ताह में ही घोषित करवा दिया ।

इस प्रकार विक्रम विश्वविद्यालय उज्जैन प्रदेश का ऐसा पहला विश्वविद्यालय बन गया जिसने नया अकादमिक सत्र शुरू होने से पहले परीक्षा परिणाम घोषित कर दिए द्य विश्वविद्यालय ने सत्र 2024-25 में आयोजित परीक्षाओ में 13 स्नातक एवं 95 स्नातकोत्तर परीक्षाओ के परिणाम घोषित कर दिए द्य इसी प्रकार छ्म्च् प्रणाली के लगभग 170 परीक्षाओं में 165 परिणाम के अतिरिक्त सत्र 2024-25 में आयोजित अन्य परीक्षाओ के परिणाम भी विश्वविद्यालय घोषित कर चुका हैं।

विक्रम विश्वविद्यालय उज्जैन के कुलगुरू प्रो अर्पण भारद्वाज ने कहा कि,विश्वविद्यालय ने परीक्षा परिणाम घोषित किए जाने वाली कार्यप्रणाली में कसावट लाकर और कार्य व्यवस्था में समन्वय स्थापित करके यह उपलब्धि हासिल की है ।विश्वविद्यालय ने मई 2025 में आयोजित परीक्षाओं में बीकॉम,बीएचएससी ,बीबीए और बीसीए स्नातक के समस्त परिणाम घोषित कर दिए,साथ ही एमए,एमएससी,सहित स्नातकोत्तर के परिणाम घोषित कर दिए गये ।

प्रो भारद्वाज ने कहा कि,महामहिम राज्यपाल श्री मंगूभाई पटेल द्वारा विश्वविद्यालयों में अनुशासन और समय-सीमा में अकादमिक कैलेण्डर का पालन करने के निर्देश को अक्षरशः पालन करने का ध्येय वाक्य बनाकर विश्वविद्यालय ने यह उपलब्धि प्राप्त की।इसके साथ ही माननीय मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव द्वारा समय-समय पर इस विश्वविद्यालय को अग्रणी बनाने के प्रोत्साहन के कारण और लगातार दिशा निर्देश प्रदान करने पर यह विश्वविद्यालय अग्रिम पंक्ति में शामिल हो पाया ।

बाल अधिकार संरक्षण आयोग सदस्य डॉ. निशा श्रीवास्तव ने किया अक्षत इंटरनेशनल स्कूल का निरीक्षण

विद्यालय परिवार ने किया आत्मीय स्वागत

उज्जैन। मध्यप्रदेश बाल अधिकार संरक्षण आयोग की सदस्य डॉ. निशा श्रीवास्तव ने 12 जुलाई को अक्षत इंटरनेशनल स्कूल, उज्जैन का निरीक्षण किया।

इस अवसर पर विद्यालय के शैक्षणिक वातावरण, विद्यार्थियों की गतिविधियों, सुरक्षा व्यवस्था एवं सुविधाओं की सराहना की गई। निरीक्षण के दौरान डॉ. श्रीवास्तव ने विद्यालय में बाल अधिकारों की जानकारी, बच्चों की मानसिक एवं शारीरिक सुरक्षा को लेकर किए जा रहे प्रयासों की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने विद्यालय द्वारा संचालित गतिविधियों और अनुशासन की विशेष सराहना करते हुए कहा कि ÷विद्यालय बच्चों के सर्वांगीण विकास हेतु उत्कृष्ट कार्य कर रहा है।÷ विद्यालय द्वारा डॉ. श्रीवास्तव का स्वागत एवं सम्मान किया। निरीक्षण कार्यक्रम के अंत में डॉ. श्रीवास्तव ने बच्चों से संवाद भी किया और उन्हें अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहने की प्रेरणा दी। विद्यालय परिवार द्वारा उनका सम्मान किया गया, इस दौरान विद्यालय के चेयरमेन आनंद पंडया, निदेशक राहुल पंडया, उप प्राचार्य पल्लवी दिवाकर सहित समस्त स्टाफ मौजूद रहा। यह जानकारी विद्यालय की सी.सी.ओ. राखी मेहता द्वारा दी गई।

श्री स्वास्तिक धाम में आज लगेगा निशुल्क शिविर

उज्जैन। मक्सी रोड पवासा स्थित श्री स्वास्तिक धाम में लोटस हॉस्पिटल फ्रीगंज द्वारा निशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन पीठाधीश्वर डॉ. अवधेश पुरी महाराज और गुरु मां विद्या पुरी के सानिध्य में रविवार को प्रातः 9 बजे से किया जाएगा।

इस अवसर पर शिष्यों द्वारा प्रातः 11 बजे गुरु पूजन किया जाएगा। इसके पश्चात महाप्रसाद होगी। यह जानकारी देते हुए करण पंड्या ने बताया शिविर में मुख्य रूप से डॉ. एन के, डॉ. प्रवीण पंड्या, डॉ. महेश राठौर, डॉ. बृजेश पवार, डॉ. योगेंद्र तिवारी, डॉ. खुशबू अंसारी, अनिल सूर्यवंशी, लक्ष्मण सिंह फोटोग्राफर अपनी सेवाएं देंगे। शिविर में होम्योपैथिक दवा का वितरण और एलोपैथिक की ब्लड प्रेशर एवं शुगर की जांच भी निशुल्क की जाएगी।

गुर्जरगौड़ ब्राह्मण समाज कार्तिक चौक द्वारा किया गया गुरू पूजन

उज्जैन। गुर्जरगौड़ ब्राह्मण समाज कार्तिकचौक द्वारा गुरु पूर्णिमा के अवसर पर गुरु पूजन का आयोजन समाज की धर्मशाला में किया गया। अध्यक्ष पंडित उत्तम दुबे ने जानकारी देते हुए बताया कि प्रति वर्ष की परंपरा अनुसार समाजजनों ने धर्मशाला में स्थित वेदमूर्ति ब्रह्मलीन पंडित नरहरि शुक्ल की प्रतिमा का पूजन-अर्चन कर पुष्पमाला अर्पित की व आरती कर मिठाई व फल का भोग लगाया गया। इसके पश्चात समाज के गोर पंडित मंगलेश मेहता का गुरु पूजन कर वस्त्र एवं दक्षिणा आदि भेंट कर अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर पंडित पुरुषोत्तम दुबे, मुन्ना गुरु चम्मच वाला, पंडित वीरेश उपाध्याय, पंडित अधिक गुरु, पंडित राधु गुरु, पंडित अजीत शर्मा, पंडित नीलेश शर्मा आदि उपस्थित थे।

उज्जैन में सिंहस्थ वृत कार्यालय की स्थापना की मांग

उज्जैन। पश्चिम क्षेत्र बिजली कर्मचारी महासंघ के कार्यकारी अध्यक्ष आनंद शिंदे के नेतृत्व में पश्चिम क्षेत्र बिजली कर्मचारी महासंघ ने सिंहस्थ 2028 की तैयारियों के संदर्भ में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री को एक पत्र प्रेषित किया है। बीएमएस के जिला मीडिया प्रभारी गुलशन मंसूरी ने जानकारी देते हुए बताया कि इस पत्र में महासंघ ने उज्जैन में सिंहस्थ वृत कार्यालय की स्थापना की मांग की है, ताकि आगामी सिंहस्थ मेले के दौरान बिजली आपूर्ति और संबंधित व्यवस्थाओं को सुचारू रूप से संचालित किया जा सके। पश्चिम क्षेत्र बिजली कर्मचारी महासंघ के पदाधिकारी ने बताया कि सिंहस्थ महाकुंभ, जो प्रत्येक 12 वर्षों में आयोजित होने वाला विश्व का सबसे बड़ा धार्मिक समागम है, में लाखों श्रद्धालुओं की उपस्थिति के कारण बिजली आपूर्ति की मांग में भारी वृद्धि होती है। इस स्थिति को देखते हुए एक समर्पित सिंहस्थ वृत कार्यालय की स्थापना आवश्यक है, जो बिजली वितरण, रखरखाव, और आपातकालीन सेवाओं को प्रभावी ढंग से प्रबंधित कर सके। इसके लिए बिजली कर्मचारी कर्मचारी एवं कार्यकर्ताओं में आभार प्रकट किया।

एशियाई बॉडीबिल्डिंग चैंपियनशिप में गोल्ड मेडल प्राप्त करने पर डॉ मोहन यादव ने किया अफराज का सम्मान

उज्जैन। वर्ल्ड बॉडीबिल्डिंग एण्ड फिजिक फेडरेशन द्वारा विगत दिवस भूटान में 16वीं एशिया बॉडीबिल्डिंग चैंपियनशिप का आयोजन किया गया था।

खेल आशय की जानकारी प्रदान करते हुए बॉडी बिल्डिंग के राष्ट्रीय निर्णायक शैलेंद्र व्यास स्वामी मुस्कुराके ने बताया कि उज्जैन एवं मध्य प्रदेश के खेल गौरव अफराज इरशाद खान ने भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए भूटान में गोल्ड मेडल प्राप्त कर तिरंगा लहराया। राज्य संस्था के चेयर मेन प्रेम सिंह यादव एवं पूर्व मिस्टर इंडिया प्रादेशिक अध्यक्ष जितेंद्र सिंह कुशवाहा ने बताया कि मध्य प्रदेश एवं उज्जैन के इतिहास में प्रथम बार किसी बॉडीबिल्डर ने खेल उपलब्धि प्राप्त की है। खेल प्रेमी मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव की जानकारी में आने पर डॉ. मोहन यादव ने अफराज के परिवार को आमंत्रित किया एवं वी आई पी गेस्ट हाउस में विशिष्ट खेल अभिनंदन कर आशीर्वाद प्रदान किया। पूरे परिवार को बधाई दी। इस अवसर पर अफराज खान के बुजुर्ग दादा सफी उद्दीन कुरेशी, पिता इरशाद खान का भी आत्मीय स्वागत मुख्यमंत्री ने किया। इस अवसर पर अमित कनोजिया, वरिष्ठ पत्रकार शमशाद खान, नईम पठान, मंशाद खान, अमीन कुरेशी उपस्थित थे।

श्री साई मेडिकल कैंप में 90 मरीजों का उपचार, साई भक्तों का किया सम्मान

उज्जैन। श्री साईधाम समिति द्वारा राठौर समाज धर्मशाला कार्तिक चौक में आयोजित श्री साई मेडिकल कैंप में 90 मरीजों का बिना ऑपरेशन एवं बिना दवाईयों के सुजोक, ऑरिक्युलर एवं कलर थैरेपी से ट्रीटमेंट किया गया।

शिविर में मरीजों को उपचार देने वाली डॉ. प्रज्ञा मोघे मुंबई के साथ ही वयोवृद्ध साई भक्त रतन दादा, राधा भाभी, कर्णिक बाबा, सबसे छोटे साई भक्त सर्वश्रेष्ठ तबला वादक विवेक का सम्मान स्वामी नरेशानंदजी के कर कमलों द्वारा किया गया। शिविर में घुटनों का दर्द, गर्दन का दर्द, गठिया, सायटिका, स्लिप डिस्क मॉंसपेशियों, कंधे का दर्द, नींद न आना, अपचन, शुगर, ब्लड प्रेशर, शरीर में सूजन, बच्चों के स्वास्थ्य की समस्याएँ, मानसिक बैचेनी, पित्त दोष, मायग्रेन, पैशाब में जलन, स्त्रियों की मासिक धर्म सम्बंधी समस्या एवं अन्य बीमारियों का निदान भी किया गया। 39वें पांच दिवसीय गुरुपूर्णिमा महोत्सव एवं श्री साई सच्चरित्र पारायण में सदगुरू श्री साई नरेशानंद जी महाराज (शिरडीवासी) द्वारा आशीर्वचन दिये गये।

स्वामी हिन्दकुश मीडिया के लिए संपादक, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती सीमा वशिष्ठ द्वारा 124, महाश्वेता नगर उज्जैन, (म.प्र.) से प्रकाशित तथा 6 निर्माण नगर उज्जैन, (म.प्र.) से मुद्रित, मो. 09826322221, परम चैतन्य 09329640700 Email : hindkushmedia@gmail.com